RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः181, बुधवार, 09 जुलाई 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

20 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद, दो कारोबारी गिरफ्तार 03

विधायक को शिक्षकों ने सौंपा 9 सूत्रीय मांग पत्र, 22 जुलाई को विधानमंडल के समक्ष धरना की चेतावनी 04

शॉर्टस और ब्रालेट पहनकर समंदर में आग लगाने निकलीं श्वेता तिवारी 07

बिहार कैबिनेट की बैठक में पहली बार युवा आयोग का गठन के प्रस्ताव को मंजूरी

एजेंसी, पटना

बिहार में पहली बार युवा आयोग का गठन किया गया है। इसका उदेश्य यहां के युवाओं को आत्मनिर्भर, दक्ष और रोजगारोन्मुखी बनाना है, ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो सके। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में इस मुद्दे के साथ कई अन्य एजेंडों पर मुहर लगी।

युवा आयोग के गठन से संबंधित जानकारी मुख्यमंत्री नीतीश ने अपने एक्स पर पोस्ट करके दी। इसमें उन्होंने लिखा कि बिहार के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, उन्हें प्रशिक्षित करने तथा सशक्त और सक्षम बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने बिहार युवा आयोग के गठन का निर्णय लिया है। समाज में युवाओं की स्थिति में सुधार और उत्थान से संबंधित सभी मामलों पर सरकार को सलाह देने में इस आयोग की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। युवाओं को बेहतर शिक्षा और रोजगार सुनिश्चित करने के लिए सरकारी विभागों के साथ यह आयोग समन्वय भी करेगा। इस पोस्ट में आयोग के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए बताया गया है कि बिहार युवा आयोग में एक अध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष और सात सदस्य होंगे। इनकी अधिकतम उम्र सीमा 45 वर्ष होगी। यह आयोग इस बात की निगरानी करेगा कि राज्य के स्थानीय युवाओं को राज्य के भीतर निजी क्षेत्र के रोजगारों में प्राथमिकता मिले। साथ ही राज्य के बाहर अध्ययन करने वाले और काम करने वाले युवाओं के हितों की भी रक्षा हो।

इसके साथ ही कैबिनेट में लिए गए 43 एजेंडों के बारे में विस्तृत जानकारी मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने सूचना भवन के सभागार में

आयोजित पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि राज्य के बाहर भी जो युवा काम करने जाते हैं, उनके हितों की रक्षा करना भी इस आयोग का कार्य होगा। कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद इसके गठन की समुचित प्रक्रिया जल्द शुरू हो जाएगा। डॉ. सिद्धार्थ ने बताया कि बिहार में सरकारी नौकरी में राज्य की महिलाओं को एक बड़ी सहूलियत दी गई है। यहां की सरकारी नौकरियों में सभी वर्ग की महिलाओं को मिलने वाला 35 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण का लाभ अब सिर्फ बिहार मूल की निवासी महिलाओं को ही दिया जाएगा। यानी बिहार के बाहर दूसरे किसी राज्य की महिलाओं को नौकरियों में इस आरक्षण व्यवस्था का लाभ नहीं मिलेगा। बिहार सरकार के इस ऐतिहासिक फैसले से महिलाओं के लिए सरकारी नौकरी में डोमिसाइल नीति लागू कर दी गई है। अब तक इस आरक्षण का लाभ अन्य राज्यों की महिलाओं को भी मिलता था, लेकिन अब यह सुविधा सिर्फ उन महिलाओं को मिलेगा, जो बिहार की स्थायी निवासी होंगी। उन्होंने बताया कि अनियमित मानसून व सूखे जैसी स्थिति में फसलों की सिंचाई के लिए किसानों को डीजल अनुदान देने को लेकर कैबिनेट ने 100 करोड़ खर्च की स्वीकृति दी है। साथ ही मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तीकरण योजना के तहत पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग एवं सामान्य वर्ग के पुरुष दिव्यांग अभ्यर्थियों को बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने पर 50 हजार तथा यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण होने पर एक लाख प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कमला बलान नदी पर आरसीसी पुल और पहुंच पथ निर्माण के लिए 15412.13 लाख की स्वीकृति दी गई है। पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा की आवश्यकता को देखते हुए बिहार शहरी गैस वितरण नीति 2025 को मंजूरी दी गई है। बिहाल विधि सेवा में भर्ती के प्रस्ताव को स्वीकृत कर दिया गया है।

कैबिनेट के अन्य फैसले : मोतिहारी जिले में माधोपुर-बहुरूपिया से दुबौलिया चौक तक सड़क के चौड़ीकरण के लिए 3170.52 लाख की राशि स्वीकृत की गई है। आरा जिले में कुरमुरी से बंधवा तक सड़के चौड़ीकरण पर 3353.24 लाख को स्वीकृति दी गई। नवादा जिले में सड़क चौड़ीकरण के लिए 6970.23 लाख रुपये की मंजूरी। बिहार नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों की संवद्धन नीति 2025 को मंजूरी।

संक्षिप्त समाचार

गृह मंत्री शाह 9 जुलाई की शाम रांची आयेंगे

रांची । गृह मंत्री अमित शाह नौ जुलाई की शाम करीब छह बजे रांची पहुंचेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि वह 10 जुलाई को आयोजित पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में शामिल होने के बाद उसी दिन दोपहर वापस दिल्ली चले जायेंगे। इससे संबंधित सूचना केंद्र ने राज्य सरकार को भेज दी है। बैठक में भाग लेने के लिए 30-35 अधिकारियों का दल भी रांची पहुंचेगा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने 10 जुलाई को आयोजित पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में शामिल होने की सूचना भेजी है। बिहार से वित्त मंत्री सम्राट चौधरी और जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी ने भी बैठक में शामिल होने से संबंधित सूचना भेजी है। पश्चिम बंगाल से चंद्रिमा भट्टाचार्य ने बैठक में शामिल होने की सूचना दी है।

पश्चिम बंगालः पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में दो गिरफ्तार

कोलकाता । पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने आतंकवाद से जुड़े एक गंभीर मामले का भंडाफोड़ करते हुए बर्दवान से दो संदिग्ध पाकिस्तानी जासूसों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि ये दोनों एनजीओ की आड़ में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई को संवेदनशील जानकारी भेज रहे थे। एसटीएफ सूत्रों के मुताबिक, आरोपितों की पहचान मुकेश रजक और राकेश कुमार गुप्ता के रूप में हुई है। मुकेश बर्दवान के पास स्थित पानागढ़ के कैनल रोड का निवासी है और मेमारी इलाके में एक स्वयंसेवी संस्था से जुड़ा था।

तमिलनाडुः ट्रेन की चपेट में आई स्कूली वैन, दो छात्रों समेत तीन की मौत

चेन्नई । तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले के सेम्मनकुप्पम में मंगलवार सुबह एक स्कूल वैन के ट्रेन की चपेट में आने से दो छात्रों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे में छह छात्र समेत सात लोग घायल बताए जा रहे हैं। जिला प्रशासन के अनुसार, यह हादसा सुबह 7:45 बजे हुआ। स्कूली वैन रेलवे क्रॉसिंग पार कर रही थी, तभी विलुप्पुरम-मयिलादुथुराई पैसेंजर ट्रेन ने वैन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वैन चालक और छह छात्र घायल हुए हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। घायल छात्रों को कुड्डालोर सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत पर नजर रखी जा रही है। स्थानीय अधिकारियों ने पुष्टि की है कि दुर्घटना में निमिलेश (12) और डी. चारुमति (16) नाम के दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि 55 वर्षीय अन्नादुरई नाम के एक व्यक्ति की टूटे हुए बिजली के तार के संपर्क में आने से मौत हो गई।

पीएम मोदी के स्वागत में हुआ शिव तांडव स्तोत्र, सांबा रेगे और क्लासिकल डांस

एजेंसी, ब्रासीलिया

ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने के बाद मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया पहुंचे। यहां उनका स्वागत पारंपरिक सांबा रेगे की संगीतमय प्रस्तुति से किया गया। इसके बाद होटल पहुंचने पर शिव तांडव स्तोत्र पाठ और भारतीय शास्त्रीय नृत्य का भावपूर्ण प्रदर्शन किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे 'यादगार स्वागत' बताया और प्रवासियों की अपनी जड़ों से जुड़े रहने के लिए प्रशंसा की। प्रधानमंत्री मोदी ने भी लिखाः 'ब्रासीलिया हवाई अड्डे पर, बटाला मुंडो बैंड ने कुछ बेहतरीन रचनाएं बजाईं। उनका यह प्रयास एफ्रो-ब्राजीलियन पर्क्यूशन, विशेष रूप से ब्राजील के साल्वाडोर दा बाहिया के सांबा-रेगे को बढ़ावा देने का वैश्विक प्रयास है। कुछ घंटे पहले प्रधानमंत्री ने रियो डी जेनेरियो की अपनी यात्रा को 'बहुत उत्पादक' बताया था। राजकीय यात्रा पर ब्राजील की राजधानी पहुंचे भारतीय प्रधानमंत्री का हवाई अड्डे पर ब्राजील के रक्षा मंत्री जोस मुसियो

मोंटेरो फिल्हो ने स्वागत किया। पीएम मोदी सोमवार को 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए 'बहुत ही उत्पादक' रियो डी जेनेरियो यात्रा पूरी करने के बाद ब्राजील पहुंचे। भारतीय पीएम 2 से 10 जुलाई तक 5 देशों की यात्रा पर हैं। अब तक वे घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, और अर्जेंटीना का दौरा कर चुके हैं। फिलहाल वे ब्राजील दौरे पर हैं और यहां से नामीबिया जाएंगे। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, 'थोड़ी देर पहले ब्रासीलिया पहुंचा। भारतीय समुदाय ने यादगार स्वागत किया, जो एक बार फिर दर्शाता है कि हमारे प्रवासी कितने भावुक हैं और वे अपनी जड़ों से कितने जुड़े हुए हैं।' उन्होंने कुछ तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें उत्साहित और उत्साही प्रवासी भारतीय तिरंगा थामे प्रधानमंत्री मोदी का हाथ जोड़कर अभिवादन करते नजर आ रहे हैं। पीएम मोदी मंगलवार को ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा के साथ व्यापार, डिफेंस, एनर्जी, स्पेस, टेक्नोलॉजी, खेती और हेल्थ समेत कई मुद्दों पर द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने लिखाः 'इंडिया-ब्राजील के बीच मजबूत साझेदारी में नए कदम उठाते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्राजील की राजकीय यात्रा पर राजधानी ब्रासीलिया पहुंचे। आगमन पर, हवाई अड्डे पर ब्राजील के रक्षा मंत्री जोस मुसियो मोंटेरो फिल्हो ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पारंपरिक ब्राजीलियाई सांबा रेगे प्रदर्शन द्वारा स्वागत को शानदार संगीतमय बनाया गया। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, 'अब राजकीय यात्रा के लिए ब्रासीलिया जा रहा हूं। भारत-ब्राजील संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर राष्ट्रपति लूला के साथ विस्तृत बातचीत करूंगा। मेरी ब्राजील यात्रा का रियो चरण बहुत उत्पादक रहा। हमने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में व्यापक विचार-विमर्श किया। मैं राष्ट्रपति लूला और ब्राजील सरकार को उनके ब्रिक्स प्रेसीडेंसी के माध्यम से इस मंच को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए किए गए काम के लिए बधाई देता हूं। विश्व नेताओं के साथ मेरी द्विपक्षीय बैठकें विभिन्न देशों के साथ भारत की मित्रता को भी बढ़ावा देंगी। पीएम मोदी ने सोमवार को पर्यावरण और स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे प्रमुख मुद्दों को उच्च प्राथमिकता देने के लिए ब्रिक्स की प्रशंसा की। उन्होंने इन विषयों को मानवता के उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताया, साथ ही इस बात पर जोर दिया कि भारत के लिए जलवायु न्याय केवल एक विकल्प नहीं है, बल्कि यह एक नैतिक दायित्व है।

जेलों में कैदियों को कट्टरपंथी बनाने की घटनाएं आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा

एजेंसी, नई दिल्ली

जेलों में कैदियों को कट्टरपंथी बनाए जाने की घटनाएं अब गंभीर चुनौती बन चुकी हैं। यह प्रवृत्ति आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा बन रही है इसलिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से इस दिशा में प्रभावी कदम उठाने का आग्रह किया है। बता दें केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के गृह सचिवों से कहा है कि कारागारों में बंद कमजोर मानसिकता वाले व्यक्तियों में उग्र विचारधारा के प्रसार को रोकना और ऐसे कैदियों को मुख्यधारा में लौटाने के लिए 'डि-रेडिकलाइजेशन' की प्रक्रिया अपनाना अत्यंत जरुरी है। यह न केवल सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी है, बल्कि देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी सहायक सिद्ध होगा। जेल में एक सीमित व नियंत्रित वातावरण होता है जहां सामाजिक अलगाव, समूह मनोवृत्ति तथा निगरानी की सीमितता जैसी परिस्थितियां अतिवादी विचारों के पनपने के लिए उपजाऊ भूमि बन जाती हैं। कई कैदी, जो पहले से ही हताशा, समाज

से कटाव या हिंसात्मक प्रवृत्तियों से ग्रस्त होते हैं, ऐसे माहौल में उग्रपंथी विचारधाराओं के प्रभाव में आ जाते हैं। इसलिए गृह मंत्रालय ने चेताया है कि कुछ मामलों में उग्रपंथी बंदी हिंसात्मक गतिविधियों में लिप्त हो सकते हैं। चाहे वह जेल के स्टाफ पर हमला हो, अन्य बंदियों को नुकसान पहुंचाना हो या फिर बाहरी नेटवर्क के साथ मिलकर देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम देना हो। गृह मंत्रालय ने 'मॉडल प्रिजन मैनुअल 2016' और 'मॉडल प्रिजन्स एंड करेक्शनल सर्विसेज एक्ट, 2023' का हवाला देते हुए बताया कि इन मॉडल दस्तावेजों में उच्च-जोखिम कैदियों, उग्रवादियों आदि को अन्य कैदियों से अलग रखने के लिए विशेष सुरक्षा वाले कारागारों की व्यवस्था की गई है।

भगवान श्रीराम के जन्मस्थान को लेकर ओली ने फिर दिया विवादित बयान

एजेंसी, काठमांडू

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने एक बार फिर भगवान श्रीराम के जन्मस्थान को लेकर विवादित बयान दिया है। ओली का दावा है कि भगवान श्रीराम का जन्मस्थान नेपाल में ही है। काठमांडू में एक कार्यक्रम में मंगलवार को प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि भगवान श्रीराम के जन्मस्थान को लेकर नेपाल के बाकी नेता क्यों डरते हैं? ओली ने फिर बयान दिया है कि भगवान श्रीराम का जन्मस्थान अयोध्या में नहीं, बल्कि नेपाल के चितवन जिला के ठोरी में ही हुआ था। उन्होंने कहा कि इस बात को पूरी दुनिया में प्रचारित करना चाहिए। कार्यक्रम में ओली ने कहा कि नेपाल के नेता भगवान श्रीराम

के वास्तविक जन्मस्थान का प्रचार करने में क्यों डरते हैं? किससे डरते हैं? यह समझ में नहीं आता। ओली ने कहा कि कोई देश नाराज हो जाएगा, इसलिए इस बात को कहने में डरने की कोई आवश्यकता नहीं है। ओली ने नेपाल के नेताओं से इस बात का खुल कर प्रचार करने को भी कहा।

आज 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने किया भारत बंद का आयोजन, केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ

एजेंसी, नई दिल्ली

बुधवार 2025 को भारत में एक बड़े स्तर पर भारत बंद का आयोजन होने की तैयारी है। यह हड़ताल 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों द्वारा बुलाई गई है और इसमें करीब 25 करोड़ से अधिक कर्मचारियों के शामिल होने की उम्मीद है। यह हड़ताल विभिन्न क्षेत्रों को प्रभावित कर सकती है, जिसमें प्रमुख रूप से बैंकों के कामकाज पर गहरा असर पड़ सकता है। इसके साथ ही बीमा से संबंधित कार्य भी प्रभावित हो सकते हैं। वहीं केंद्र के अधीन आने वाले डाकघरों में कामकाज बाधित होने की संभावना है। इतना ही नहीं कोयला खदानों में काम रुक सकता है। इसके

अलावा देश भर में विभिन्न कारखानों में उत्पादन प्रभावित हो सकता है। आज होने वाली इस देशव्यापी हड़ताल से राज्यों में सार्वजनिक परिवहन सेवाएं बाधित हो सकती हैं। क्योंकि इन सेवाओं से जुड़े कर्मचारी इस हड़ताल में शामिल हो सकते है। एनएमडीसी लिमिटेड और अन्य क्षेत्रों में भी श्रमिक हड़ताल में शामिल हो रहे है। इससे इन लिमिटेड कंपनियों के कामों पर असर पड़ सकता है। राज्य सरकार के विभाग और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम के कर्मचारी भी हड़ताल का हिस्सा बन सकते हैं।

विभिन्न ट्रेड यूनियन के अलावा किसान और ग्रामीण कर्मचारी भी इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में शामिल हो सकते है। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी कामकाज प्रभावित हो सकता है। यह भारत बंद सरकार की मजदूर, किसान विरोधी और राष्ट्र विरोधी कॉरपोरेट-समर्थक नीतियों के विरोध में बुलाया गया है। कर्मचारी संगठनों ने केंद्र सरकार से कई महत्वपूर्ण मांगों पर ध्यान देने का आग्रह किया है।

पाकिस्तान के बाद अब इजरायल भी मांगने लगा ट्रंप के लिए नोबेल शांति पुरस्कार

एजेंसी, वाशिंगटन

वाइट हाउस में आयोजित एक निजी रात्रिभोज के दौरान नेतन्याहू ने ट्रंप को नोबेल पुरस्कार समिति को भेजा गया नामांकन पत्र सौंपा। इस अवसर पर नेतन्याहू ने ट्रंप की शांति स्थापना के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, वह एक के बाद एक देश और क्षेत्र में शांति स्थापित कर रहे हैं। वह यह सम्मान आपके लिए पूरी तरह से योग्य हैं। बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा, मैं आपको नोबेल पुरस्कार समिति को भेजा गया पत्र प्रस्तुत करना चाहता हूं। इसमें आपको शांति पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है, जिसके आप हकदार हैं। नामांकन पत्र प्राप्त करने के बाद, ट्रंप ने जवाब दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। यह मुझे नहीं पता था- वाह, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। नामांकन पत्र प्राप्त करने के बाद ट्रंप ने आश्चर्य व्यक्त किया और नेतन्याहू का आभार जताया। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए अप्रत्याशित था। खास तौर पर आपसे यह सुनना मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। डिनर मीटिंग की शुरुआत में ट्रंप ने नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा की मेजबानी करना सम्मान की बात बताया और उन्हें पुराना दोस्त बताया और उनकी साझा सफलता की प्रशंसा की। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, बीबी (बेंजामिन नेतन्याहू) और सारा का हमारे साथ होना सम्मान की बात है। वे लंबे समय से मेरे दोस्त हैं और हमने साथ मिलकर बहुत बड़ी सफलता हासिल की है और मुझे लगता है कि भविष्य में यह और भी बड़ी सफलता होगी।

नेतन्याहू ने ट्रंप के नेतृत्व को मध्य पूर्व में शांति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने विशेष रूप से ट्रंप द्वारा पिछले महीने ईरान के परमाणु स्थलों पर अमेरिकी हवाई हमलों की अनुमति देने और अब्राहम समझौते जैसे ऐतिहासिक कदमों का उल्लेख किया। नेतन्याहू ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने पहले ही कई बड़े अवसरों को साकार किया है। उन्होंने अब्राहम समझौते को संभव बनाया और अब वह एक के बाद एक क्षेत्र में शांति की नींव रख रहे हैं।

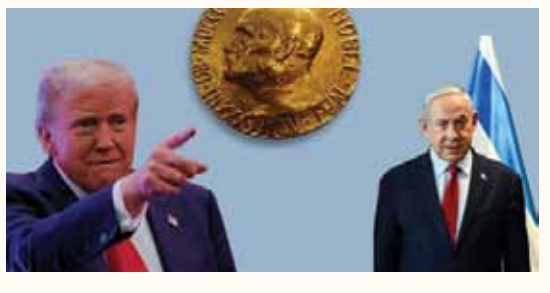

ब्रिक्स को धमकाने वाले डोनाल्ड ट्रंप को ब्राजील की चेतावनी कहा- किसी सम्राट की हुकूमत नहीं चलेगी

एजेंसी, रियो डी जेनेरियो

अमेरिका की चल रही दादागिरि के खिलाफ ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा ने सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने साफ शब्दों में कह दिया कि दुनिया को किसी सम्राट की जरूरत नहीं है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के समापन पर रियो में संवाददाताओं से बात करते हुए लूला ने कहा, दुनिया बदल चुकी है। अब हमें किसी सम्राट की हुकूमत नहीं चाहिए। उन्होंने कहा, ब्रिक्स देशों का मकसद दुनिया को आर्थिक रूप से एक अलग तरीके से संगठित करना है। शायद यही वजह है कि कुछ लोग असहज महसूस कर रहे हैं। ट्रंप पहले भी चेतावनी दे चुके हैं कि अगर ब्रिक्स देश अमेरिकी डॉलर की भूमिका को वैश्विक व्यापार में कमजोर करने की कोशिश करते हैं, तो वे 100 प्रतिशत टैरिफ के शिकार होंगे। यह धमकी ऐसे समय आई है जब अमेरिकी सरकार दर्जनों देशों के साथ व्यापार समझौतों को अंतिम रूप देने की तैयारी में है। ट्रंप ने 9 जुलाई

तक का समय तय किया था, जिसके बाद वे इन "जवाबी टैरिफ को लागू करेंगे। हालांकि ब्रिक्स की साझा मुद्रा लाने की योजना पर ब्राजील पहले ही पीछे हट चुका है, फिर भी लूला ने सोमवार को दोहराया कि वैश्विक व्यापार को केवल अमेरिकी डॉलर पर निर्भर नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, दुनिया को एक ऐसा तरीका खोजने की जरूरत है जिससे हमारे व्यापारिक लेन-देन को डॉलर के रास्ते न गुजरना पड़े। लेकिन हमें यह काम सावधानी से करना होगा। हमारे केंद्रीय बैंकों को दूसरे देशों के केंद्रीय बैंकों के साथ इस पर चर्चा करनी चाहिए।

अन्य ब्रिक्स नेताओं ने भी ट्रंप की धमकियों पर प्रतिक्रिया दी, हालांकि अपेक्षाकृत संयमित भाषा में। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने कहा कि ब्रिक्स का उद्देश्य किसी अन्य वैश्विक शक्ति से प्रतिस्पर्धा करना नहीं है। उन्होंने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर आशावाद भी जताया। चीन की विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने बीजिंग में कहा, टैरिफ का इस्तेमाल दबाव डालने या जबरदस्ती के उपकरण के तौर पर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ब्रिक्स सभी के लिए फायदे वाले सहयोग को बढ़ावा देता है और "किसी देश को लक्षित नहीं करता। रूस की ओर से क्रेमलिन के प्रवक्ता ने कहा कि ब्रिक्स के साथ रूस का सहयोग एक साझा वैश्विक दृष्टिकोण पर आधारित है और यह कभी भी किसी तीसरे देश के खिलाफ निर्देशित नहीं होगा।

संक्षिप्त समाचार

हाजीपुर-महनार मार्ग पर बोलेरो-टेंपो की टक्कर, 2 बच्चे समेत 5 लोग घायल

हाजीपुर। वैशाली में हाजीपुर-महनार मुख्य मार्ग पर खिलवत के पास बोलेरो और टेंपो की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में 5 लोग घायल हुए हैं। घायलों में 6 साल और एक साल के बच्चे भी शामिल हैं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टेंपो पलट गया। दोनों वाहनों के चालक मौके से फरार हो गए। मथुरा गांव निवासी मंजू देवी(60) के सिर में गंभीर चोट आई है, जिन्हें 12 टांके लगे। चेचर गांव की ललिता देवी के सिर में 7 टांके लगे। ललिता देवी अपनी बहू और उसके दो बच्चों के साथ हाजीपुर के निजी अस्पताल जा रही थीं। 6 वर्षीय अनमोल के सिर में 5 टांके लगे हैं। एक वर्षीय बच्चे को मामूली खरोंच आई है। मंजू देवी मथुरा गांव से पटना जा रही थीं। स्थानीय लोगों ने घायलों को पास की दवा दुकान पर प्राथमिक उपचार दिलाया। पुलिस की 112 आपातकालीन टीम ने सभी घायलों को हाजीपुर सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। फरार बोलेरो और टेंपो चालक की तलाश जारी है। प्रारंभिक जांच में चालकों की लापरवाही को दुर्घटना का कारण माना जा रहा है।

10 साल पहले मृत बताई गई महिला जिंदा मिली, दूसरी शादी कर रह रही थी

पटना। बाढ़ के सालिमपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली ननकी देवी 10 साल बाद जिंदा लौटी है। उसे मृत बताया गया था। 2015 में ननकी देवी के चाचा लखनदेव राय ने उसके ससुराल वालों पर हत्या का केस दर्ज कराया था। पुलिस जांच में अब पता चला है कि यह एक षड्यंत्र था। ननकी देवी ने अपने ससुराल पक्ष को फंसाने के लिए खुद के मृत होने का नाटक रचा था। पुलिस ने कई वर्षों तक मामले की जांच की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। आखिरकार केस को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। रविवार की शाम को सालिमपुर थाने को ननकी देवी के जिंदा होने की सूचना मिली। जांच में सामने आया कि ननकी देवी पटना में रह रही थी। उसने दूसरी शादी कर ली थी। उसके दूसरे पति की मृत्यु हो चुकी है। वह अपने बच्चों के साथ रहती है। पटना में प्राइवेट नौकरी करती है। पुलिस अब दो पहलुओं पर जांच कर रही है। पहला, ससुराल वालों को फंसाने का षड्यंत्र। दूसरा, उनसे पैसे ऐंठने की संभावना। पुलिस ने ननकी देवी के चाचा को हिरासत में ले लिया है। ननकी देवी से संपर्क का प्रयास किया गया। लेकिन, उनके परिजनों ने जानकारी देने से मना कर दिया।

नाव संचालन को लेकर दो पक्षों में विवाद, फायरिंग, बिदुपुर में वारदात के बाद घाट पर नाव सेवा बंद

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर प्रखंड में स्थित चकौसन जिमदारी घाट पर सोमवार को नाव संचालन को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हुआ। बता दें कि यह घाट बिदुपुर और राघोपुर के बीच यातायात का प्रमुख मार्ग है। 25 जून से गंगा नदी में जलस्तर बढ़ने के कारण पीपा पुल बंद है। इसके बाद से नाव ही एकमात्र यातायात का साधन बन गई है। मिली जानकारी के अनुसार चकौसन जिमदारी घाट पर तीन नाव है जो अशर्फी राय, लालदेव राय और मनोज राय नाव चलाते हैं। वहीं राघोपुर की ओर से तिलधारी राय, भूपेंद्र राय, भोला राय समेत 8 लोग नाव सेवा देते हैं। इनमें से किसी के पास भी नाव चलाने का लाइसेंस नहीं है। पिछले साल भी संचालको के बिच हिंसक झड़प हुई थी ओर फिर आपस मे ही समझौता कर के चालू किया गया था। अभी आवागवन बंद होने से लोगो को पटना के रास्ते हो कर जाना पड़ता है। वहीं मंगलवार तक भी नाव सेवा शुरू नहीं हो पाया है। जिसके कारण लोगों को पटना के रास्ते ही जाना पर रहा है। ग्रामीणों ने बताया की रविवार को चकौसन घाट के संचालकों को राघोपुर मे नाव चलाने से मना कर दिया। सोमवार को स्थिति तब बिगड़ गई जब राघोपुर से आई दो नावों को चकौसन के नाविकों ने जब्त कर लिया। दोनों पक्षों के बीच बातचीत विफल रहने के बाद हिंसक झड़प हुई। बिदुपुर थाना पुलिस ने बताया कि फिलहाल स्थिति को नियंत्रित में है। पुलिस ने हालात सामान्य होने तक नाव सेवा बंद करवा दी है। विवाद में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बाइक से गिरकर ऑटो ड्राइवर की मौत, पातेपुर जा रहे थे, तेज रफ्तार के कारण अनियंत्रित होकर गिरे

हाजीपुर। वैशाली के पातेपुर के सैदपुर डुमरा पंचायत में एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान मोहम्मद यूसुफ अंसारी के बेटे मोहम्मद मुख्तार अंसारी के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक ऑटो चलाकर परिवार चलाते थे। घटना सोमवार की शाम मुकुंदपुर स्कूल के पास की बताई जा रही है। मृतक के परिजनों ने बताया कि मुख्तार अंसारी बाइक से घर से पातेपुर की ओर जा रहे थे। इस दौरान उनकी बाइक तेज रफ्तार के कारण अनियंत्रित हो गई और दुर्घटनाग्रस्त हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने उन्हें पातेपुर अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पातेपुर पुलिस ने घायल को एम्बुलेंस के द्वारा पातेपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां डॉक्टरों ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए शव को भेज दिया। पातेपुर थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि सूचना मिला की संतुलन बिगड़ने से गिरकर बाइक सवार घायल हो गए हैं। इसके बाद तुरंत घायल को प्राथमिक उपचार के लिए पातेपुर अस्पताल एंबुलेंस से लाया गया था। लेकिन डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया है। शव पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेजने की प्रक्रिया चल रही है। मामले के जांच की जा रही है।

3 मिनट में बैंक से 10.62 लाख लूट, मुजफ्फरपुर में घुसते ही गन पॉइंट पर लिया

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में ग्रामीण बैंक से 10.62 लाख रुपए की लूट हुई थी। हथियार से लैस 3 अपराधी दोपहर 2:17 बजे बैंक में घुसे। तीन मिनट के अंदर कैश लूटकर फरार हो गए। इस दौरान बैंक का सायरन भी नहीं बजा था। इस लूट का CCTV फुटेज सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि बैंक में घुसते ही अपराधियों ने सबसे चौकीदार गोनौर पासवान को बंधक बना लिया। उसके बाद बुजुर्ग ग्राहक सूर्यदेव राय, फिर बैंक में मौजूद स्टाफ को बंधक बनाया। दो अपराधियों के पास पिस्टल था, जबकि तीसरे के पास चाकू था। पहला अपराधी गेरूआ रंग का कुर्ता और ब्लैक टोपी पहने हुए था। मास्क से चेहरा कवर कर रखा था। दूसरा अपराधी ब्लू रंग का शर्ट पहने हुए है। पीले कलर के गमछे से चेहरा ढका था। तीसरे ने हेलमेट पहन रखा था। शाखा प्रबंधक राजीव कुमार ने गायघाट थाने में अज्ञात अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। घटना गायघाट थाना क्षेत्र के बेरुआ की है। लूटपाट के दौरान कर्मचारियों के साथ मारपीट भी की गई। अपराधियों ने उनके मोबाइल भी एक जगह रखवा लिए। इसके बाद उन्होंने बैंक कर्मियों से कैश के बारे में पूछा। कैश की जानकारी नहीं देने पर बदमाशों ने फिर स्टाफ को थप्पड़ मारे। कहा कि बताओ कैश कहां है नहीं तो गोली मार देंगे। डर से कर्मचारियों ने बदमाशों को कैश की जानकारी दी। अपराधी लॉकर से 10 लाख रुपए लेकर मैठी टोल प्लाजा की तरफ भाग निकले। लूट की जानकारी मिलते ही SDPO और थानाध्यक्ष मौके पर पहुंचे। घटनास्थल और आसपास के लगे CCTV को खंगाला जा रहा है। स्थानीय लोग और बैंककर्मियों से पूछताछ की गई है। अपराधियों के संबंध में कुछ जानकारी मिली है।

टीआरई-3 सप्लीमेंट्री रिजल्ट की मांग को लेकर अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

एजेंसी, पटना

शिक्षक भर्ती टीआरई-3 के सप्लीमेंट्री रिजल्ट जारी करने की मांग पर अभ्यर्थियों ने मंगलवार को प्रदर्शन किया। पटना कॉलेज से शुरू करते हुए खजांची रोज, खेतान मार्केट, गांधी मैदान, एग्जिबीशन रोड होते हुए डाकबंगला पहुंचे। वहां पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया है। पुलिस और कैंडिडेट्स के बीच इस दौरान धक्का-मुक्की हुई। पुलिस अभ्यर्थियों खींचकर गाड़ी में ले गई। प्रदर्शन में शामिल भागलपुर की कैंडिडेट स्वाति कुमारी ने कहा कि, हमारा रिजल्ट रोक कर रखा गया है। पुलिस हमें सड़क पर दौड़ा रहा है। बिहार सरकार महिला संवाद का ढोंग करती है। सरकार कहती है कि, बेटी को पढ़ाते हैं और यही सरकार बेटी को सड़क पर दौड़ाती भी है। महिलाओं पर लाठीचार्ज करवाती है। हमलोग 6 महीने से गर्दनीबाग में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं।

पटना कॉलेज से शुरू करते हुए खजांची रोज, खेतान मार्केट, गांधी मैदान, एग्जिबीशन रोड होते हुए डाकबंगला पहुंचे

क्या है अभ्यर्थियों की मांगः कैंडिडेट की मांग है कि TRE-3 में कक्षा एक से 12वीं तक में करीब 66 हजार रिजल्ट आया। इसमें करीब 10 से 15 हजार ऐसे शिक्षक पास हुए हैं, जिनका दो-दो जगह तो कहीं तीन-तीन जगह रिजल्ट आ चुका है। वह जॉइन तो एक ही जगह करेंगे। अब उन जगहों पर जो लोग कुछ-कुछ नंबर से पीछे रह गए हैं। विभाग उनकी बहाली करे। प्रदर्शन के दौरान 8 कैंडिडेट्स को डिटेन किया गया है।

6 मई को सीएम हाउस के बाहर पुलिस ने किया था लाठीचार्जः 6 मई को CM हाउस का घेराव करने पहुंचे BPSC TRE-3 के अभ्यर्थियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। कैंडिडेट्स को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा गया था। पुलिस पिटाई से कई अभ्यर्थी घायल हुए थे। इससे पहले 24 मार्च को भी शिक्षक अभ्यर्थियों ने शिक्षा मंत्री सुनील कुमार के आवास के बाहर प्रदर्शन किया था। मंत्री वहां पहुंचे तो अभ्यर्थियों ने उन्हें घेर लिया। सप्लीमेंट्री रिजल्ट जारी करने की मांग पर अड़ गए। स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि पुलिस को मंत्री को सुरक्षित निकालना पड़ा था। प्रदर्शनकारियों ने उन्हें सड़क पर भी घेर लिया, जिससे उन्हें अपनी गाड़ी तक पहुंचने में कठिनाई हुई।

शिक्षा मंत्री ने दिया था जल्द नोटिस जारी करने का आश्वासनः प्रदर्शन के बाद शिक्षा मंत्री सुनील सिंह ने घोषणा की थी कि वे BPSC को 25 मार्च की शाम 5 बजे से पहले पत्र लिखकर मामले की समीक्षा का अनुरोध करेंगे। उन्होंने कहा था कि सरकार को रिजल्ट जारी करने पर कोई आपत्ति नहीं है। अंतिम निर्णय BPSC ही लेगा। हालांकि, 10 दिन बीत जाने के बाद भी कोई नोटिस जारी नहीं हुआ, जिससे नाराज अभ्यर्थियों ने फिर से सीएम हाउस पर प्रदर्शन किया।

20 मार्च को BPSC ने एग्जाम कैलेंडर जारी कियाः BPSC ने 20 मार्च को साल 2025 की सभी भर्तियों का परीक्षा कैलेंडर जारी किया था। लेकिन, इसमें TRE- 4 का जिक्र नहीं है। हालांकि, दो दिन पहले बिहार के शिक्षा मंत्री सुनील सिंह ने विधानसभा में कहा कि TRE-4 एग्जाम मई 2025 में आयोजित होगी। इसमें जो वैकेंसी बची है, वह चौथे चरण में ही जोड़ा जाएगा। इसके बावजूद कैलेंडर में शिक्षक भर्ती परीक्षा का कोई जिक्र नहीं है। इससे शिक्षक अभ्यर्थियों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

5 दिनों से लापता जमीन कारोबारी का नहीं मिला सुराग

पटना। दानापुर थाना क्षेत्र के द्वारिकापुरी निवासी जमीन कारोबारी और LIC एजेंट राम लड्डू कुमार पिछले पांच दिनों से लापता हैं। परिजनों को सोमवार को उनकी बाइक खगौल की नेउरा कॉलोनी से लावारिस हालत में मिली है। राम लड्डू कुमार 4 जुलाई को सुबह साढ़े 8 बजे नाश्ता करके घर से निकले थे। देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने फोन किया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की। भतीजे पप्पू कुमार ने 5 जुलाई को दानापुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने मोबाइल लोकेशन ट्रेस करने की मांग पर कोई कार्रवाई नहीं की। लापता व्यक्ति की पत्नी नीतू देवी ने डायल 112 पर भी शिकायत की, लेकिन वहां से भी कोई मदद नहीं मिली। मंगलवार को परिजनों और स्थानीय लोगों ने विरोध में खगौल थाना क्षेत्र के जमालुद्दीन चक के पास आगजनी कर खगौल-बिहटा मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वरिष्ठ अधिकारियों ने जल्द खोजबीन का आश्वासन दिया है।

बिहार में पहली बार ऑल इंडिया एथलेटिक्स मीट का आयोजन

एजेंसी, पटना

देशभर से जाने-माने एथलीट होंगे शामिल, 19 जुलाई को पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में होगा जुटान

पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में 19 जुलाई को पहली बार बिहार में ऑल इंडिया एथलेटिक्स मीट का आयोजन होने वाला है। इस एथलेटिक्स मीट में सीनियर महिला और पुरुष के लिए ओपन नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप होगा, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से जाने-माने एथलीट्स हिस्सा लेंगे। इसका आयोजन एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ़ इंडिया (AFI) के तत्वाधान में एथलेटिक्स एसोसिएशन ऑफ बिहार द्वारा किया जा रहा है। यह एक दिन का आयोजन होगा।

250 से ज्यादा एथलीट्स लेंगे भागः बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रविंद्रन शंकरण ने कहा कि इस ओपन नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप में देश के जाने-माने एथलीट पार्टिसिपेट करेंगे। उनका इसमें भाग लेना अनिवार्य है क्योंकि इसी के आधार पर आगे आने वाले एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स में उनका सिलेक्शन होगा। यह सभी आयोजन एसोसिएशन की तरफ से ही हो रहा है। स्पोर्ट्स कांप्लेक्स की बस फील्ड प्रोवाइड की जा रही है। इसमें 250 से ज्यादा एथलीट्स भाग लेंगे।

11 अगस्त से हड़ताल पर जा सकते हैं निगम कर्मी, 11 सूत्री मांगों को लेकर 16 जुलाई को करेंगे प्रदर्शन

एजेंसी, पटना

मुख्यमंत्री आवास तक निकालेंगे जुलूस

पटना नगर निगम के कर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने वाले हैं। बारिश के मौसम में यह हड़ताल आम लोगों को बेहाल कर देगा। सड़कों पर गंदगी का अंबार लग जाएगा, जिससे डेंगू, मलेरिया सहित कई बीमारियां फैलेगी। पटना नगर निगम के कर्मचारी 11 सूत्री मांगों को लेकर 16 जुलाई को नगर आयुक्त के सामने विशाल प्रदर्शन करेंगे। उनका कहना है कि अगर मांगों की पूर्ति नहीं हुई तो 23 जुलाई को GPO गोलंबर से निगम मुख्यालय तक मशाल जुलूस निकाला जाएगा। वहीं, 31 जुलाई को राष्ट्रीय सफाई मजदूर दिवस के मौके पर सफाई मजदूर कारगिल चौक से मुख्यमंत्री आवास तक अधिकार जुलूस निकालेंगे। अगर फिर भी कर्मियों की मांगें पूरी नहीं हुई तो 11 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल होगा।

नगर आयुक्त-महापौर के झगड़े में मजदूर पिस रहेः पटना नगर निगम चतुर्थवर्गीय कर्मचारी संघ के प्रधान महासचिव नंद किशोर दास ने कहा कि भ्रष्टाचारियों को बचाने में लगे नगर आयुक्त और महापौर के झगड़े में सफाई मजदूर पिस रहे हैं। हम बार-बार कर्मचारियों समस्याओं को निदान के लिए उनसे अनुरोध कर रहे हैं, मगर संघ के प्रतिनिधि मंडल से नगर आयुक्त को बात करने का फुर्सत नहीं है। वो मजदूरों कि समस्या नहीं सुनते हैं।

तीन महीने से बकाया वेतन भुगतान नहीं हुआः मोबिलाइज़र महिला समूह को 1 जून से हटा दिया गया है, मगर तीन महीने से बकाया वेतन भुगतान नहीं किया है। वहीं दैनिक कर्मियों कि न्यूनतम मजदूरी प्रति दिन दर 604 रुपए से 654 रुपए बढ़ाया गया है। 1 अप्रैल 2025 से भुगतान का आदेश लंबित है। निजी एजेंसी कर्मियों कि 6 वर्षों से एक रुपए भी मजदूरी बढ़ोतरी नहीं हुई। यह मजदूरी मनमानी ढंग भुगतान हो रहा है। सेवा निवृत्त कर्मियों के बकाया राशि भुगतान नहीं किया जा रहा है।

डोमिसाइल पॉलिसी लागू, सिर्फ राज्य की महिलाओं को 35% आरक्षण मिलेगा

पहले दूसरे राज्य की महिलाओं को भी मिलता था

एजेंसी, पटना

बिहार सरकार ने महिलाओं के लिए डोमिसाइल पॉलिसी लागू कर दी है। अब सरकारी नौकरियों में महिलाओं को इसका फायदा मिलेगा। बिहार की बाहर की महिलाओं को जनरल कैटेगरी में जोड़ा जाएगा। पहले दूसरे राज्यों की महिलाओं को भी 35% आरक्षण का लाभ मिलता था। अब सिर्फ बिहार की महिलाओं को फायदा मिलेगा। नीतीश कैबिनेट की बैठक में मंगलवार को ये फैसला लिया गया। इसके साथ ही 43 एजेंडों पर मुहर लगी है। बिहार में पहली बार बिहार युवा आयोग का गठन होगा। चुनावी साल में बिहार युवा आयोग के गठन का निर्णय नीतीश सरकार ने लिया है। दरअसल, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने कहा था कि सरकार बनने पर वह युवा आयोग का गठन करेंगे।

दिव्यांग के लिए सिविल सेवा प्रोत्साहन योजनाः बिहार सरकार ने एक नई योजना शुरू की है, जिसका नाम दिव्यांगजन सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना है। इसका लाभ दिव्यांग पुरुष अभ्यर्थी पिछड़ा वर्ग, सामान्य वर्ग या आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) अभ्यर्थियों को मिलेगा। हालांकि, ये सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें राज्य की किसी दूसरी सिविल सेवा तैयारी योजना से कोई आर्थिक मदद नहीं मिल रही है। ऐसे में BPSC या UPSC की प्रारंभिक परीक्षा पास कर लेते हैं, तो उन्हें मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिए 50 हजार रुपए और इंटरव्यू की तैयारी के लिए 1 लाख रुपए की सहायता राशि दी जाएगी। यह योजना दिव्यांगों को सिविल सेवा में सफलता पाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए शुरू की गई है।

सांसद अरुण भारती बोले- बिहार में लॉ एंड ऑर्डर ध्वस्त

सांसद ने खुद की सरकार पर निशाना साधा, कहा- बिहार में हर जगह क्राइम

एजेंसी, पटना

बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने अपने ही सरकार पर सवाल खड़ा किया है। लोजपा आर से सांसद अरुण भारती और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। हालिया घटनाओं को लेकर दोनों नेताओं ने सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार को कठघरे में खड़ा करने का काम किया है।

हर जगह लहूलुहान बिहारः सांसद अरुण भारती ने अपने एक्स अकाउंट से लिखा है कि पटना में भाजपा से जुड़े व्यवसायी गोपाल खेमका जी की हत्या हो या उद्योगपति अजय सिंह जी को मिल रही धमकियां, अब अपराधियों का भय पूंजी, प्रतिष्ठा और पहचान से भी बड़ा हो गया है। पूर्णिया में एक ही परिवार के पांच लोगों को जिंदा जलाकर मार दिया गया। सीवान, बक्सर, नालंदा, भोजपुर में नरसंहार — हर जगह लहूलुहान बिहार! बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' विजन का लक्ष्य है—एक ऐसा बिहार जहां अपराध की सोच भी अपराधियों को डराए।

स्थानीय प्रशासन से फोन पर कार्रवाई का निर्देशः लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने भी घटनाओं को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय करार दिया हैं। उन्होंने भी लिखा है कि यह जघन्य घटना न केवल मानवता को झकझोरती है। बल्कि यह भी दर्शाती है कि बिहार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। राज्य के मुख्यमंत्री के गृह जिले में ही अपराधियों की ओर से इतनी नृशंस घटना को अंजाम दिया जाना इस बात का प्रमाण है कि अपराधियों का मनोबल किस हद तक बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि उनकी स्थानीय प्रशासन से फोन पर बात हुई है। अपराधियों को चिन्हित कर कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

अपराध के मामलों में बढ़ोतरीः पिछले कुछ महीनों में बिहार के विभिन्न हिस्सों से लगातार गंभीर आपराधिक घटनाओं की खबरें आ रही हैं। पटना में व्यवसायी की हत्या, पूर्णिया में परिवार का नरसंहार, और अन्य जिलों में हो रही वारदातों ने बिहार की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है।

राहुल गांधी आज बिहार में रहेंगे, चक्का जाम भी करेंगे

♦ राजेश राम बोले- पटना के इनकम टैक्स से चक्का जाम की शुरुआत, श्रमिकों के खिलाफ लिए गए हैं फैसले

एजेंसी, पटना

राहुल गांधी बुधवार को बिहार आ रहे हैं। महागठबंधन के नेतृत्व में वोटबंदी के खिलाफ चक्का जाम करेंगे। वहीं, वह श्रम संसाधन विभाग की ओर से जो श्रमिकों के खिलाफ निर्णय लिए गए हैं। इसके विरोध में भी चक्का जाम करेंगे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि चक्का जाम की शुरुआत इनकम टैक्स से होगी। फिर शहीद स्मारक से होते हुए इलेक्शन ऑफिस जाएंगे। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की तरफ से सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया में एक याचिका इस वोटबंदी के खिलाफ दायर हुई है। 10 तारीख को उस पर फैसला आने का इंतजार कर रहे हैं।

चक्का जाम से पहले 50% फॉर्म एनरोलमेंट का निर्देशः उन्होंने आगे कहा कि पूरे बिहार के BLO के तरफ से एक मैसेज आया कि 9 जुलाई को महागठबंधन के नेतृत्व में राहुल गांधी की मौजूदगी में चक्का जाम का कार्यक्रम है। इस वजह से पूरे बिहार के जिला पदाधिकारी ने अपने BLO और ECR को यह निर्देश दिया कि 9 जुलाई को चक्का जाम होने से पहले 50% फॉर्म एनरोलमेंट कर लेना है। 7 जुलाई के 2025 के इलेक्शन कमिशन के बुलेटिन के अनुसार 36.47% वोटरों को फॉर्म से एनरोल कर दिया गया है। इस पर मेरा सवाल है कि जब 36.47% वोटरों का एनरोलमेंट हो गया है तो 11.26% अपलोड क्यों दिख रहा है। अगर ऐसा है तो फिर बाकी का क्यों नहीं अपलोड किया है।

राहुल गांधी की भविष्यवाणी सच होती हैः राहुल गांधी ने जब-जब देश हित में भविष्यवाणी की है, वह सच हुई है। भाजपा केंद्रित सरकार को हमेशा यू टर्न लेना पड़ा है। उन्होंने कोरोना को लेकर सरकार को आगाह किया था कि देश एक बड़ी महामारी से गुजरने वाला है। वहीं, नोटबंदी पर कहा था कि देश में आर्थिक संकट आएगी। यह सभी बातें सच हुई है।

भाजपा ने इलेक्शन कमीशन के यहां ऑफिस खोला हैः कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान ने कहा कि भाजपा ने एक ऑफिस खोला है। यह ऑफिस इलेक्शन कमीशन के यहां खोल लिया है। इस बार इलेक्शन कमिशन की कोशिश है कि इस बार बिहार में महागठबंधन चूक जाए। बिहार के लोगों को जिन परेशानियों से महागठबंधन निजात दिलाना चाहती है। वह तकलीफें बरकरार रहे। सभी ने यह तय करके रखा है कि वोटर लिस्ट से असल वोटर को हटा दिया जाए। यह चीजें महाराष्ट्र चुनाव में हो चुकी है, मगर यह बिहार है। यहां इतनी आसानी से बेवकूफ बनाए नहीं जा सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

पीएम उषा योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए जिले के सभी महाविद्यालयों के प्राचार्यों की आज होगी बैठक

बीएनएम। मोतिहारी। शहर के लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय में आज 9 जुलाई को प्रातः 11:30 बजे से स्वामी विवेकानंद सभागार में पीएम उषा योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु जिले के सभी अंगीभूत एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य व आइक्यूएसी के नोडल अधिकारी को बैठक में आमंत्रित किया गया है। एलएनडी महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि लैंगिक समावेशन और समानता पहल स्कीम पर कार्य करने के लिए जिले से एकमात्र एलएनडी कॉलेज को 10 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। इस राशि में से कई व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू किए जाने हैं जिसमें पूरे पूर्वी चंपारण के किसी भी महाविद्यालय के विद्यार्थी नामांकित हो सकते हैं। इस बैठक में अपने-अपने महाविद्यालय में नामांकित छात्र/छात्राओं की कुल संख्या एवं छात्र/छात्राओं की कुल संख्या में से अनुसूचित जाति, अनुसूचित, जनजाति, ओबीसी, अल्पसंख्यक छात्राओं एवं ट्रांसजेंडर का नामांकन प्रतिशत संबंधी जानकारी भी उपेक्षित है।

गहन पुनरीक्षण-2025: प्रगति में लापरवाही पर AERO पर होगी कार्रवाई: डीएम

- प्रतिदिन प्रति केंद्र 100 प्रपत्र अपलोड का निर्देश, कम प्रदर्शन पर जताई नाराज़गी

बीएनएम। मोतिहारी। गहन पुनरीक्षण-2025 के तहत मतदाता सूची अपडेट के कार्य में धीमी प्रगति पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने नाराजगी जताई है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य नहीं किए जाने की स्थिति में कार्रवाई तय है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया है कि प्रत्येक मतदान केंद्र से प्रतिदिन न्यूनतम 100 गणना प्रपत्र निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर अपलोड कराना अनिवार्य है। समीक्षा में सामने आया कि कई पदाधिकारियों द्वारा अपलोडिंग कार्य में लापरवाही बरती जा रही है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, अधिकांश पदाधिकारियों की प्रतिदिन की औसत अपलोडिंग 100 से कम रही, जिसमें पिपरा कोठी, आदापुर, बनकटवा, पकड़ीदयाल, मोतिहारी शहरी, चिरैया, छौड़ादानों, बंजरिया और ढाका जैसे प्रखंडों के संबंधित पदाधिकारी शामिल हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र के बीएलओ को सक्रिय करते हुए प्रतिदिन निर्धारित लक्ष्य को हर हाल में पूरा कराएं। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि कार्य में लापरवाही की स्थिति में जवाबदेही तय करते हुए कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

हर उम्र के लोगों को रोमांचकारी मनोरंजन व आनंद का अवसर प्रदान करता है डिजनीलैंड मेला:गरिमा

बीएनएम। बेतिया। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने ऐतिहासिक राज ड्योढी परिसर में डिजनीलैंड मेला का उद्घाटन किया। इस मौके पर महापौर ने कहा कि आज के तनावपूर्ण दौर में डिजनीलैंड मेला एक लोकप्रिय आयोजन बन गया है। सभी उम्र के लोगों के लिए यह खासम ख़ास मेला विभिन्न प्रकार के मनोरंजन, खरीदारी और खाने-पीने की सुविधा का बेहतर संगम और विकल्प है। महापौर ने आयोजक और बेतिया राज प्रबंधन के हवाले से बताया कि इस मेले में विभिन्न प्रकार के झूले यथा ब्रेक डांस, टोरा टोरा और ज्वाइंट व्हील आदि के साथ ही विभिन्न प्रकार के स्टॉल होते हैं जो कपड़े, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, श्रृंगार, हस्तशिल्प और अन्य सामान बेचें जाते मिलेंगे। इसके अतिरिक्त, मेले में चाट, पिज्जा, बर्गर और मिठाई जैसे विभिन्न प्रकार के भोजन के स्टॉल भी लगे हैं। प्रोपराइटर सरताज आलम, समाजसेवी नसीम अहमद, राजेश अग्रवाल, सानिया परवीन, वसीम खान,ओमी खान,लड्डू कुमार, चन्ददीप शर्मा आदि की भागीदारी रही।

निकाली गई साइकिल रैली

बीएनएम। बेतिया : बैरिया प्रखंड के शहीद भगत सिंह खेल मैदान से जनता दल यूनाइटेड के द्वारा मतदाता पुनरीक्षण कार्य को सफल बनाने को लेकर मंगलवार को मतदाताओं को जागरूक करने के लिए साइकिल रैली निकाली गईयह रैली बैरिया, लौकरिया, आदि कई गांव में निकली गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जदयू के जिला अध्यक्ष शत्रुघ्न कुशवाहा ने की मतदाता जागरूक साइकिल रैली में सैकड़ों से अधिक लोगों ने भाग लिया। इस दौरान वरीय नेता शंभू कुशवाहा ने कहा कि पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर साईकिल मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई है जिसका उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, संशोधन कराने और लोकतंत्र में भागीदारी के लिए प्रेरित करना है। विधान सभा प्रभारी बबन कुशवाहा ने कहा कि गरीब, दलित, पिछड़े या अति पिछड़े किसी भी वर्ग के व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से नहीं कटेगा। जदयू इस भ्रम को दूर करने के लिए हर पंचायत में साइकिल रैली निकालकर मतदाताओं को जागरूक करेगी उन्होंने कहा कि "सही नाम कटेगा नहीं, फर्जी नाम .जुटेगा नहीं।" उन्होंने विपक्ष के बिहार बंद को नाकाम करने का दावा करते हुए कहा कि जदयू जनता के बीच जाकर सच्चाई बताएगी। मौके पर सुमित सिंह बबलू, सलमान राय, हिफाजत आलम, संतोष सिंह, नौशाद आलम, लालबाबू प्रसादकुशवाहा, विपिन कुमार कुशवाहा, पूर्व मुखिया शंभू पासवान, बृजेश पटेल, कवल कुशवाहा, राजेंद्र मुखिया,धर्मेंद्र कुमार इत्यादि जदयू नेता मौजूद थे।

शुरूआती स्टेज में कैंसर की पहचान से शत-प्रतिशत इलाज संभव

बीएनएम। बेतिया: सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, लौरिया में डॉ. मुतुर्जा अंसारी एनसीडीओ एवं डॉ. दिलीप कुमार प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी की अध्यक्षता में मंगलवार को उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। एनसीडी स्क्रीनिंग, ट्रीटमेंट, कैंसर इत्यादि बीमारियों की जाँच एवं उसके बारे में स्वास्थ्य कर्मियों को जागरूक करने की बातें बताई गई। एनसीडीओ डॉ मुर्तजा अंसारी ने बताया कि भारत में मौतों का 63 प्रतिशत वजह गैर संचारी रोग होता है।

एनडीए सरकार चोर दरवाजे से हासिल करना चाहती है सत्ता- सुरेश साहनी

बीएनएम। मोतिहारी

मंगलवार को शहर के चरखा पार्क से मीना बाजार चौक तक इंडिया गठबंधन की तरफ से वोटर लिस्ट के पुन निरीक्षण के खिलाफ एवं ट्रेड यूनियन के हड़ताल के समर्थन में आज बुधवार 9 जुलाई 2025 को संपूर्ण बिहार बंद को लेकर मशाल जुलूस निकाला गया। मशाल जुलूस का नेतृत्व राजद के प्रधान महासचिव सुरेश साहनी ने किया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग जटिल प्रक्रियाओं को समाप्त कर लोगों को गुमराह करना बंद करें। चुनाव आयोग कन्फ्यूजन में है। गरीब दलित शोषित वंचित अल्पसंख्यक मतदाता को वोट से वंचित करने की साजिश एनडीए चुनाव आयोग के द्वारा करवा रही है। उन्होंने कहा कि आधार, ड्राइविंग लाइसेंस, राशन कार्ड को चुनाव आयोग क्यों नहीं मान रही है। बिहार जैसे गरीब राज्य में लाखों लोग दिल्ली, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा में काम कर रहे हैं वह कहां से कागजात देंगे। एनडीए सरकार चोर दरवाजे से सत्ता हासिल करना चाहती है जिसे किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। हर हाल में चुनाव आयोग को इसे वापस लेना होगा। इस अवसर पर मेयर प्रीति कुमारी, पूर्व विधायक राजेंद्र राम, सीपीआई के विश्वनाथ यादव, सत्येंद्र कुमार मिश्रा, शबनम खातून, विजय सिंह, प्रभु देव यादव, कांग्रेस से नियाज खान, सुरेश साहनी और वीआईपी के अशोक साहनी, अजय चौधरी, मीडिया प्रभारी जावेद अहमद, लालबाबू खान, मुनीलाल यादव, अनिल यादव, राजदेव यादव, मुमताज अहमद, मनोज गुप्ता, मनोज यादव, अवनीश यादव, शिवलाल सहनी, राजकुमार निषाद, जगदीश विद्रोही, मुख्तार आलम, लालबाबू यादव, पप्पू साहनी सहित अन्य मौजूद थे।

हरसिद्धि में नये बीएओ ने संभाला पदभार

बीएनएम। हरसिद्धि

» वर्षो से प्रभार में चल रहा था कार्यभार

प्रखंड में नव नियुक्त प्रखंड कृषि पदाधिकारी (बीएओ) राघव प्रसाद ने मंगलवार को बीडीओ मनोज कुमार पासवान के समक्ष औपचारिक रूप से योगदान दिया। इस अवसर पर बीडीओ ने कहा कि काफी समय से बीएओ का पद प्रभार में चल रहा था, जिसकी पूर्ति अब हो गई है। इससे प्रखंड में कृषि से जुड़ी योजनाओं और सुविधाओं को सुचारू रूप से लागू करने में गति मिलेगी। पदभार ग्रहण करने के बाद बीएओ राघव प्रसाद ने ई-किसान भवन का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि किसानों को उचित मूल्य पर खाद और बीज उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार की कृषि योजनाओं का लाभ किसानों तक समय पर पहुंचे, इसके लिए विभाग पूरी तत्परता से कार्य करेगा।

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण-2025: डीएम और एसपी ने सदर प्रखंड का किया निरीक्षण, दिए दिशा-निर्देश

बीएनएम। मोतिहारी

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण-2025 के अंतर्गत चल रहे कार्यों की समीक्षा को लेकर मंगलवार को जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने सदर प्रखंड का भ्रमण किया और विभिन्न मतदान केंद्रों पर जाकर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मतदान केंद्र स्तरीय पदाधिकारी, बीएलओ सुपरवाइजर एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी से मुलाकात कर पुनरीक्षण कार्य की प्रगति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि गणना प्रपत्र (Form Data) के त्वरित अपलोडिंग को लेकर प्रखंड स्तर पर केंद्रीकृत व्यवस्था बनाई गई है, ताकि कार्य में तेजी लाई जा सके। निरीक्षण के दौरान उन्होंने इस केंद्रीकृत केंद्र पर चल रहे प्रपत्र अपलोडिंग कार्य को भी देखा और कर्मियों को सटीकता एवं तत्परता के साथ कार्य निष्पादन का निर्देश दिया। डीएम सौरभ जोरवाल ने गणना कार्य में संलग्न कर्मियों और पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र के मतदाताओं को स्पष्ट, सही एवं अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराएं, साथ ही बीएलओ को सक्रिय रूप से सहयोग करें ताकि विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य प्रभावी ढंग से संपन्न हो सके।

नवीन शैक्षणिक सत्र का उद्घाटन: भारतीय ज्ञान परंपरा के आलोक में शिक्षा के पथ की ओर एक नवीन आरंभ

बीएनएम। मोतिहारी

शैक्षिक सत्र 2025-26 के उद्घाटन के अवसर पर विश्वविद्यालय ने भारतीय ज्ञान परंपरा को आत्मसात करते हुए सर्वांगीण शिक्षा के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को फिर से पुष्ट किया। इस शुभ अवसर पर गांधी भवन, बनकट में रुद्राभिषेक का आयोजन अत्यंत श्रद्धा एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ, जिसमें कुलपति की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को और अधिक दिव्यता प्रदान की। भगवान शिव के इस रुद्राभिषेक में उपस्थित सभी शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने ज्ञान, विवेक और धैर्य की प्राप्ति के लिए सामूहिक प्रार्थना की। कुलपति ने इस अवसर पर कहा, "भगवान शिव केवल संहार के देव नहीं हैं, वे पुनर्निर्माण और ज्ञान के अधिष्ठाता हैं। आज का यह रुद्राभिषेक हम सबके लिए आत्मिक जागरण और आंतरिक प्रबोधन का एक महत्वपूर्ण अवसर है। शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं, बल्कि यह आत्मा, संस्कार और चरित्र के समन्वय से ही पूर्ण होती है। भारतीय ज्ञान परंपरा हमें यही सिखाती है।" उन्होंने आगे कहा, "इस नवीन शैक्षणिक यात्रा का यह प्रारंभ हमें स्मरण कराता है कि हम केवल विद्यार्थी नहीं, ज्ञान के साधक हैं। हमें चाहिए कि हम आचरण, अध्ययन और आत्मचिंतन से अपने भीतर के प्रकाश को जागृत करें। यह विश्वविद्यालय अब एक ऐसी दिशा में अग्रसर है, जहाँ आधुनिकता और परंपरा का समन्वय होगा।" इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित थे, जिनमें प्रो. प्रसून दत्त, प्रो. सुनील महावर, प्रो. शिरीष मिश्रा, प्रो. प्राणवीर, प्रो. शहाना मजुमदार, प्रो. आनंद प्रकाश, प्रशासनिक पदाधिकारी श्री सच्चिदानंद सिंह (ओएसडी), अनेक संकाय सदस्य एवं प्रशासनिक कर्मचारीगण शामिल रहे। पूरे वातावरण में मंत्रोच्चार, आस्था और पवित्रता की अनुभूति थी। रुद्राभिषेक के माध्यम से यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान न होकर शिक्षा की उस यात्रा का नवप्रवेश था, जो विद्यार्थियों को ज्ञान, आत्मबल और नैतिकता की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

हरसिद्धि के मुरारपुर पंचायत में उपचुनाव आज, सुरक्षा के कड़े इंतजाम, प्रशासन अलर्ट मोड में

बीएनएम। हरसिद्धि

प्रखंड अंतर्गत मुरारपुर पंचायत में आज मुखिया पद के लिए उपचुनाव हो रहा है। शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त मतदान सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है। सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद है और अधिकारियों की निगरानी लगातार जारी है। मतदान से पूर्व मंगलवार को एसडीएम संजीव कुमार पांडेय, डीएसपी रंजन कुमार, बीडीओ मनोज कुमार पासवान और थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा के नेतृत्व में पंचायत क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान ग्रामीणों से निर्भीक होकर मतदान करने की अपील की गई, वहीं उपद्रवियों को सख्त चेतावनी दी गई कि शांति भंग करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पंचायत क्षेत्र में धारा 144 लागू कर दी गई है। किसी भी प्रकार की भीड़, जुलूस, बाइक रैली या प्रचार-प्रसार पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। मतदान केंद्रों की 100 मीटर की परिधि में सभी राजनीतिक गतिविधियों पर रोक है। पंचायत में कुल 13 बूथों को अतिसंवेदनशील घोषित किया गया है। इन पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। सुरक्षा के लिए 112 मतदानकर्मी, 13 पुलिस पदाधिकारी और 40 सशस्त्र बलों को तैनात किया गया है। सभी बूथों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी निगरानी कंट्रोल रूम से की जा रही है। हर बूथ पर मजिस्ट्रेट की प्रतिनियुक्ति की गई है। प्रखंड विकास पदाधिकारी सह निर्वाची पदाधिकारी मनोज कुमार पासवान ने बताया कि सभी मतदानकर्मियों को पूर्व में आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया है और उन्हें मतदान सामग्री के साथ समय पर बूथों पर भेजा गया है। मतदान सामग्री का वितरण शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया है। डीएसपी रंजन कुमार ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अगर कोई व्यक्ति मतदान में बाधा डालने या गड़बड़ी फैलाने का प्रयास करेगा, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि चुनाव को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुरारपुर पंचायत में मुखिया पद के लिए छह उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनके बीच कांटे की टक्कर मानी जा रही है। मतदान सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा। प्रशासन ने मतदाताओं से अपील की है कि वे भयमुक्त होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें और लोकतंत्र को सशक्त बनाएं। पंचायत क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह मुस्तैद है और प्रशासन हर स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए है।

20 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद, दो कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम। हरसिद्धि

थाना क्षेत्र अंतर्गत हरपुर राय गांव में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर 20 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद की है। इस दौरान दो शराब कारोबारियों को गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि शराब की बिक्री और सेवन से जुड़ी गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद छापेमारी की गई। गिरफ्तार अभियुक्तों में स्व. हजारी शाह के पुत्र गौरी प्रसाद (55 वर्ष) एवं स्व. दुखी दास के पुत्र गांधी दास शामिल हैं। दोनों आरोपी हरपुर राय गांव के निवासी हैं। गिरफ्तार व्यक्तियों को बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम, 2022 के तहत कार्रवाई करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। छापेमारी टीम में एसआई रामबाबू यादव सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

पश्चिम चंपारण में मतदाता जागरूकता को लेकर जदयू ने निकाला साईकिल रैली

बीएनएम।बेतिया

नौतन ब्लॉक स्थित पकड़िया पंचायत के नवका टोला कर्पूरी चौक पर चुनाव आयोग के मतदाता पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाने को लेकर मंगलवार को जदयू की ओर से विशाल मतदाता जागरूकता साईकिल रैली निकाली गई।यह रैली दिवंगत सांसद बैधनाथ प्रसाद महतो के स्मृति स्थल से शुरू होकर पकड़िया पंचायत सहित कई गांव होते हुए कर्पूरी चौक दिवंगत सांसद के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर समाप्त हुई। इस दौरान जदयू प्रदेश महासचिव मनोज कुशवाहा ने कहा कि पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर साईकिल मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई है जिसका उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, संशोधन कराने और लोकतंत्र में भागीदारी के लिए प्रेरित करना है। मनोज कुशवाहा ने कहा कि गरीब, दलित, पिछड़े या अति पिछड़े किसी भी वर्ग के व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से नहीं कटेगा। जदयू इस भ्रम को दूर करने के लिए हर पंचायत में साइकिल रैली निकालकर मतदाताओं को जागरूक करेगी।

प्रधानमंत्री के संभावित दौरे को लेकर विधि-व्यवस्था की समीक्षा बैठक, डीएम-एसपी ने किए स्थल निरीक्षण

18 जुलाई को मोतिहारी आगमन की संभावना, तैयारियों को लेकर प्रशासन सतर्क

बीएनएम। मोतिहारी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 18 जुलाई को संभावित मोतिहारी दौरे को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। इसी क्रम में जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभागार में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधि-व्यवस्था से जुड़े सभी महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों से अब तक की तैयारियों की अद्यतन जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश जारी किए। यह समीक्षा 7 जुलाई को आयोजित बैठक में दिए गए निर्देशों के आलोक में की गई, जिसमें सभी विभागों से मिली प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की गई। बैठक के उपरांत जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संभावित पार्किंग स्थलों का भौतिक निरीक्षण भी किया। इसके तहत सदर प्रखंड परिसर, जिला स्कूल मैदान, चीनी मिल के समीप स्थित हवाई अड्डा मैदान आदि स्थलों का दौरा किया गया। निरीक्षण के क्रम में संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि पार्किंग सहित अन्य व्यवस्थाएं सुचारू रूप से सुनिश्चित की जा सकें। प्रशासन द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर सभी स्तरों पर विधि-व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन एवं भीड़ नियंत्रण को लेकर चाक-चौबंद तैयारी की जा रही है, ताकि कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

संक्षिप्त समाचार

कटा- फटा बोरा से हो रहा बचाव रोधी कार्य, नहीं थम रहा कटाव

बीएनएम। बैरियाः बैरिया अंचल क्षेत्र के पूजहा में गंडक नदी का कटाव तेज होने से ग्रामीणों में भय का माहौल कायम हो गया है। परंतु बचाव कार्य के नाम पर संवेदकों द्वारा काफी धांधली की जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि बोरा क्रेटिंग कराया जा रहा है। बोरे में 50 किलो बालू भरना है। जबकि ठेकेदारों द्वारा 50 किलो की बजाय 30 से 35 किलो मिट्टी युक्त बालू भरा जा रहा है। मिट्टी होने के कारण नदी के तेज बहाव होने पर वह गल जा रहा है। जिससे कटाव पर अंकुश नहीं लग रहा है। बीते दिन हुए कार्यों को नदी अपने में समा ले गई,भाकपा माले के नेता सुनील कुमार राव ने बताया कि संवेदकों व सरकार के कर्मी के लापरवाही के कारण गंडक नदी लगातार कटाव कर बांध की तरफ आ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि बचाव कार्य में अगर तेजी नहीं लाई गई तो तटबंध पर खतरा दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहा है। इस तरह के बचाव कार्य में हो रही लापरवाही को देख ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ते जा रहा है। वही कटाव की गति देख आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल कायम हो गया है। सिंचाई विभाग के एसडीओ प्रदीप कुमार ने बताएं की रात्रि में गंडक नदी के धार तेज होने के कारण पूर्व में की गई कार्य पानी में बह गया जिसे पुनः रिस्टोर किया जा रहा है।

मारपीट व रंगदारी मांगने का मामला दर्ज

बीएनएम।जमुई / झाझा। दम्पति के साथ मारपीट व रंगदारी मांगने का मामला थाना में दर्ज हुआ है। इस संदर्भ में पीड़ित थाना क्षेत्र के सबेजोर गांव के रहने वाले जयकिशोर साह ने दर्ज आवेदन में बताया कि हम अपनी परती जमीन पर जाते वक्त देखा कि मेरे जमीन पर लगे झाड़ को मेरा भतीजा विकास कुमार ट्रैक्टर चलाकर झाड़ को तोड़कर समतल कर दिया। फिर मैं और मेरी पत्नी संजू देवी उसके घर पर जाकर बोलना चाहा तो भतीजा , उसकी मां अनरवा देवी, उसका पिता मदन साह मुझे और पत्नी को गाली गलौज करने लगा और जान मारने की धमकी दी तभी अनरवा देवी लाठी चलाकर मुझपर वार कर दिया जब मेरी पत्नी बचाने लगी तो उसके साथ भी उनलोगों ने मारपीट की। मारपीट करने के बाद उनलोगों ने कहा कि अगर जान बचाना चाहते तो अपने गोद लिए हुए बच्चे पिंकू कुमार को भगाकर घर छोड़कर चले जाओ या फिर दो लाख रुपए रंगदारी दो तब पिंकू को कुछ नही करेंगे। पीड़ित ने बताया कि भाई, भतीजा जबरन मेरे जमीन पर कब्जा करना चाहता है। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट चुकी है।

महिला को डायन का आरोप लगाकर पीटा

बीएनएम।जमुई /झाझा। थाना क्षेत्र के बलियाडीह गांव की रहने वाली एक महिला के ऊपर डायन का आरोप लगाकर मारपीट किए जाने का मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता सोनाली देवी ने बतायह कि अपने बच्चों को लेकर घर पर सो रही थी तभी गांव के तेतर दास, उसकी पत्नी हेमंती देवी, बेटा नीतीश कुमार, बेटी कंचन देवी, पंचन देवी मेरे घर मे घुसकर डायन का आरोप लगाकर गाली गलौज करते हुए मारपीट की। जब विरोध किया तो उक्त लोगों ने जान मारने की धमकी दी। पीड़िता ने बताई की कुछ दिन पूर्व भी उनलोगों ने मुझपर जादू टोना करने का आरोप लगाया था।

जागरूक मतदाता ही कर सकते स्वच्छ प्रजातंत्र का निर्माणःमुकेश विद्यार्थी

बीएनएम। नवादा। नवादा जिला जनता दल यूनाइटेड के अध्यक्ष मुकेश विद्यार्थी के नेतृत्व में मंगलवार को साइकिल जागरूकता रैली का आयोजन कर मतदाताओं में जागरूकता पैदा की गई। मुकेश विद्यार्थी ने कहा कि 20 वर्षों बाद भी गहन मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्यक्रम संपन्न कराया जा रहा है जिसके लिए आवश्यक आवर्ताओं को पूरा करना जरूरी है। उन्होंने मतदाताओं से मिलकर कहा कि आप समय पर अपना फॉर्म जरूर जमा कर दें ताकि मतदाता सूची में आपका नाम जुड़ पाए। उन्होंने कहा कि सजक मतदाता ही स्वच्छ प्रजातंत्र का निर्माण कर सकते हैं इस अवसर पर जयशंकर चंद्रवंशी शेष कुमार राजीव कुमार आदि उपस्थित थे। इधर कौआकोल प्रखण्ड जदयू अध्यक्ष सह 20सूत्री अध्यक्ष दिलीप कुमार कुशवाहा के नेतृत्व में जदयू कार्यकर्ताओं ने विभिन्न पंचायतों में पार्टी नेतृत्व के आहवान पर मतदाता जागरूकता साइकिल रैली निकालकर लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया। मौके पर स्थानीय मुखिया हीरालाल शर्मा समेत दर्जनों जदयू कार्यकर्ता मौजूद थे।

महेशपट्टी में एसएसबी की शिविर में 210 पशुओं का किया गया इलाज

बीएनएम। अररिया । सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) 56 वीं वाहिनी के डुमरबन्ना बाह्य सीमा चौकी कार्य क्षेत्र के महेशपट्टी गांव में मंगलवार को एसएसबी की ओर से पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। एसएसबी 56 वीं वाहिनी के कमांडेंट सुरेन्द्र विक्रम के दिशा निर्देश पर यह शिविर आयोजित हुआ। जिसमें पशुओं का निःशुल्क स्वास्थ्य जांच के साथ दवाईयां दी गई। साथ ही 59 पशुओं को फूट एंड माउथ डिजीज एफएमडी एवं पीपीआर बकरी फ्लैग से बचने का टीका लगाया गया। शिविर में पशुपालकों के द्वारा लाए गए करीबन 210 पशुओं का मुफ्त इलाज और दवाईयां प्रदान की गई।पशु चिकित्सा शिविर में एसएसबी पूर्णिया के पशु चिकित्सक उप कमांडेंट डॉ. घनश्याम पटेल उप-कमांडेंट के द्वारा सीमावर्ती पशुओं की निःशुल्क जांच की गई तथा उनके परामर्श के अनुसार 56वीं वाहिनी के पशु चिकित्सा शाखा के स्टाफ द्वारा स्थानीय पशुपालकों को मुफ्त दवाइयों का वितरण किया गया। सशस्त्र सीमा बल द्वारा संचालित इस कार्यक्रम की स्थानीय ग्रामीणों द्वारा काफी सराहना की गई। इस अवसर पर 56वीं वाहिनी के कार्मिक एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

पुल निर्माण कार्य का विधायक ने किया शिलान्यास

» पुल की लंबाई 96.84 मीटर निर्माण में 625.29 लाख होंगे खर्च

बीएनएम। जमुई / झाझा

शिलान्यास करते विधायक और मौजूद लोग

नगर क्षेत्र के गणेशी मंदिर समीप उलाय नदी पर बनी बरमसिया पुल की जर्जर स्थिति पर नए पुल निर्माण के लिए आमजनों की उठ रही मांग पर पुल निर्माण कार्य का शिलान्यास मंगलवार को क्षेत्रीय जदयू विधायक दामोदर रावत के द्वारा फीता काटकर किया गया। वही बस स्टैंड से खलासी मुहल्ला रेलवे पुल तक जाने वाली मुख्य मार्ग के जर्जर स्थिति पर उन्होंने कहा कि मार्ग का निर्माण भी जल्द होगा और रेलवे पुल भी बनवाया जाएगा। यह सभी मुख्य समस्या से लोगों को जल्द निदान मिलेगा। उन्होंने बताया कि पुल की लंबाई 96.84 मीटर होगी और इसके निर्माण में 625.29 लाख रुपए खर्च होंगे। विधायक ने कहा कि मैने जर्जर पुल के निरीक्षण के समय यह बात स्थानीय लोगों से कहा था कि पुल का निर्माण किया जाएगा और लोगो के बीच किया हुआ वादा आज पूरा हुआ। विधायक ने कहा कि बलियो गांव जाने वाले मार्ग में स्थित बलियो घाट पर भी पुल बनाया जाएगा। जिसको लेकर मेरे ओर से अथक प्रयास किया जा रहा है और यह प्रयास भी जल्द पूरा हो जाएगा। इसके अलावे झाझा में चिल्ड्रन पार्क बहु बनाया जाएगा। पुल निर्माण को लेकर जदयू विधायक ने कहा कि पुल जर्जर हो जाने पर खतरा के संकेत बन चुके लंबे समय से बने बरमसिया पुल को लेकर लोगों के द्वारा की जा रही मांग पर स्वयं आकर पुल का निरीक्षण किया जिसमें पुल के नीचे पिलर क्षतिग्रस्त होकर हवा में झूलते देखने के बाद इस दिशा में ठोस कदम उठाया गया और जिला प्रशासन के साथ हुई बैठक में इस दिशा में कदम उठाया गया ,और मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना के तहत पुल निर्माण की स्वीकृति मिली। कार्यक्रम में जदयू नेता शैलेन्द्र रावत, जदयू प्रखंड अध्यक्ष राकेश दास, शशिकांत झा, सूरज सिंह, भाजपा नगर अध्यक्ष सुषमा देवी , गोपाल बरनवाल, शैलश साव, दयाशंकर बरनवाल, बलवंत सिंह, अमित कुमार सहित बड़ी संख्या एनडीए कार्यकर्ता व स्थानीय लोग मौजूद थे।

बलुआं अवधिया टोला में महिला ने की आत्महत्या

घटनास्थल पर लगी लोगों की भीड़

बीएनएम। योगापट्टी

प्रखंड क्षेत्र की बलुआ भवानीपुर पंचायत के बलुआ अवधिया टोला वार्ड नंबर एक में सोमवार की शाम करीब पांच बजे एक महीला ने सिढ़ी घर में लगे पाइप से लटककर अपनी जांन गंवा दी है। मृतका की पहचान नंदलाल कुशवाहा की पत्नी इंदु देवी 35 वर्ष के रूप में हुई है । नंदलाल कुशवाहा की शादी 15 वर्ष पूर्व बेरिया थाना क्षेत्र के पखनाहा गांव निवासी रामनाथ प्रसाद की पुत्री इंदु से हुई थी । लगभग 10 वर्षों से नंदलाल कुशवाहा पुणे में रहकर ठेकेदारी का कार्य करता था इनके दो पुत्र एक पुत्र आदित्य कुमार 12 वर्ष और आलोक कुमार 14 वर्ष है । थाना अध्यक्ष सम्राट सिंह ने बताया कि सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करने के बाद उसके परिजनों को सौंप दिया है ऐसा व्यतीत हो रहा है कि महिला ने आत्महत्या किया है हालांकि पुलिस को मृतक के माता-पिता के द्वारा आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है आवेदन मिलने पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी ।

मतदाता जागरूकता अभियान, छात्र छात्राओं ने निकाली रैली

जमुई में मतदाता जागरूकता अभियान में शामिल छात्र छात्राएं

बीएनएम।जमुई /झाझा

मंगलवार को नगर क्षेत्र स्थित पिपराडीह मुहल्ले से जदयू नगर अध्यक्ष बबलू सिन्हा की अगुवाई में मतदाता जागरूकता अभियान साइकिल रैली के माध्यम से छात्र छात्राओं के द्वारा निकाली गई। मतदाता मतदान के प्रति अधिक से अधिक आगामी विधानसभा चुनाव में रुचि लेकर मतदान करे इसके लिए जदयू की ओर से लोगों के बीच जागरूकता रैली निकालकर जागरूक किया जा रहा है। हाथों में तख्ती लिए संकल्प हमारा टुटे नही, एक भी मतदाता छुटे नही। हर घर तक हम जाएगे, मतदाता को जगायेगे नारा लगाया। साइकिल रैली मुख्य बाजार सहित पूरे नगर क्षेत्र का भ्रमण किया। जदयू नगर अध्यक्ष ने बताया कि पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर यह रैली पूरे बिहार में एकसाथ आयोजित की गई है। इसका उद्धेश्य अधिक से अधिक लोगों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, संशोधन कराने और लोकतंत्र में भागीदारी के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता जरूरी है।

विधायक को शिक्षकों ने सौंपा 9 सूत्रीय मांग पत्र, 22 जुलाई को विधानमंडल के समक्ष धरना की चेतावनी

बीएनएम। अरेराज

बिहार राज्य प्रारंभिक शिक्षक संघ के बैनर तले अरेराज प्रखंड के दर्जनों शिक्षकों ने अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। इसी क्रम में मंगलवार को शिक्षकों ने स्थानीय विधायक सुनीलमणि तिवारी को 9 सूत्रीय मांगों से जुड़ा ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर संघ के प्रखंड अध्यक्ष मिंटू कुमार मिश्रा ने बताया कि दिनांक 06 जुलाई 2025 को संघ की प्रदेश स्तरीय बैठक प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप कुमार पप्पू की अध्यक्षता में संघ भवन पुनाईचक, पटना में सम्पन्न हुई थी। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि शिक्षकों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर आगामी 22 जुलाई को बिहार विधानमंडल, पटना के समक्ष आक्रोशपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस महाआंदोलन की तैयारी के तहत प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार 08 जुलाई से 11 जुलाई 2025 के बीच राज्य भर के शिक्षक प्रतिनिधि अपने-अपने विधायक, विधान पार्षद व मंत्रियों को ज्ञापन सौंपकर शिक्षकों की मांगों को विधानमंडल के मानसून सत्र में उठाने की अपील कर रहे हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को स्थानीय विधायक श्री सुनीलमणि तिवारी को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें नियोजित शिक्षकों की सेवा शर्त, वेतन विसंगति, स्थानांतरण नीति, प्रोन्नति समेत 9 प्रमुख मांगें शामिल हैं। ज्ञापन सौंपने के दौरान मौके पर रामबचन प्रसाद कुशवाहा, अनिल कुमार, पूनम कुमारी, गीता कुमारी, सुमन कुमारी, हबीब आजाद, शिवदयाल कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे। शिक्षकों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों की अनदेखी हुई तो आगामी दिनों में आंदोलन और भी उग्र रूप ले सकता है।

जदयू कार्यकर्ताओं ने साइकिल रैल निकाल कर किया जागरूक

बीएनएम। बगहा

साइकिल रैली में शामिल नेता व कार्यकर्ता

प्रदेश जनता दल यू के निर्देशानुसार मंगलवार को बगहा, रामनगर, वाल्मीकि नगर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों में साइकिल रैली का आयोजन किया गया।मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2025 को लेकर मतदाताओं में जागरूकता के उद्देश्य से जदयू द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया ।इस क्रम में बगहा एक, बगहा दो और रामनगर प्रखंड मुख्यालय में जदयू के जिलाध्यक्ष सह बिहार विधान पार्षद भिष्म साहनी, जदयू के वरीय नेता वीरेंद्र कुशवाहा एवं जदयू के महिला जिलाध्यक्ष आरती निषाद के नेतृत्व में साइकिल रैली निकाली गई। साईकिल रैली में दर्जनों पार्टी कार्यकर्ता शामिल रहे।उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नारे संकल्प हमारा टूटे ना,एक भी वोटर छूटे ना।' ''घर-घर तक हम जाएंगे,वोटर को जगाएंगे','नीतीश कुमार जिंदाबाद' के नारों के साथ बाजार की कई गलियों से साइकिल रैली निकाली गयी। वही दूसरी तरफ रामनगर विधानसभा क्षेत्र के प्रखंड मुख्यालय रामनगर में जदयू के प्रखंड अध्यक्ष संजय मिश्रा के नेतृत्व में दर्जनों की संख्या में जदयू कार्यकर्ताओं ने साईकिल रैली में शामिल होकर मतदाता जागरूकता अभियान को सफल बनाने की अपील की। इस अवसर पर पंचायत और बूथस्तर के कार्यकर्ता मौजूद रहे। साइकिल रैली के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए बिहार विधान परिषद सदस्य भिष्म साहनी ने कहा कि विपक्ष द्वारा तमाम तरह की भ्रान्तियाँ फैलाई जा रही हैं जबकि यह बहुत ही आसान काम है।लगभग 70% मतदाताओं का नाम 2003 की मतदाता सूची में शामिल है,उनको कोई कागजात नहीं देना है।चुनाव आयोग ने फिलहाल कागजात देने से राहत दी है।सत्यापन के वक्त जरूरी कागजात मतदाता दे सकेंगे।इसलिए 25 जुलाई अंतिम तिथि से पहले सभी मतदाता बंधु गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ के पास या ऑनलाइन जमा कर दें। जदयू प्रखंड अध्यक्ष रामनगर संजय मिश्रा ने बताया कि एक भी वोटर छूटे नहीं और सबका सत्यापन हो जाए इसलिए हम लोग जागरूकता रैली लेकर निकले है।25 जुलाई से पहले सभी मतदाता बंधु गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ के पास जमा कर दें ताकि उनका नाम वोटर लिस्ट से नहीं कटे।इसके लिए हम सभी पार्टी कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करेंगे।मिशन 2025 से 30,फिर से नीतीश के संकल्प को साकार करने के लिए मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट में छूटे नहीं हम इसे सुनिश्चित करेंगे।

शराब तस्करी में लग्जरी गाड़ी के फर्जी नंबर का हुआ इस्तेमाल

बीएनएम।जमुई/गिद्धौर

शराब तस्करों ने तस्करी के लिए नये-नये तरीके अपनाने शुरू कर दिए हैं। ऐसा ही एक मामला बीते शुक्रवार को उजागर हुआ, जब बटिया थाना पुलिस द्वारा वाहन जाँच के दौरान एक टाटा सफारी वाहन को जब्त किया गया। वाहन चेकिंग के क्रम में चालक गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। जब्त वाहन की तलाशी लेने पर उसमें भारी मात्रा में शराब बरामद की गई। इस मामले में तब नया मोड़ आ गया, जब दैनिक समाचार पत्र में खबर प्रकाशित होने के बाद गिद्धौर (पतसंडा) निवासी विनोद कुमार सिंह उर्फ पन्ना सिंह ने पुलिस अधीक्षक, जमुई को आवेदन देकर जानकारी दी कि जब्त वाहन पर दर्ज नंबर बीआर 46ए 8855 उनके टाटा सफारी वाहन का है, जो कि वर्तमान समय में उनके आवास के सामने लगा है। श्री सिंह ने अपने वाहन का गूगल मैप फोटोग्राफ भी आवेदन के साथ संलग्न करते हुए पुलिस अधीक्षक से अनुरोध किया है कि जब्त वाहन का इंजन एवं चेचिस नंबर का मिलान कर असली आरोपी का पता लगाया जाए और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने इस पूरे मामले की सूचना अन्य अधिकारियों तथा प्रेस मीडिया को भी दी है। इस घटना ने साफ कर दिया है कि शराब तस्कर अब फर्जी नंबर प्लेट लगाकर पुलिस और प्रशासन को गुमराह करने का काम कर रहे हैं। ऐसे में प्रशासन और आम लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। पुलिस अधीक्षक ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच का आदेश दिया है।

हरहाल में कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाएं

» मुख्य सचिव ने की कई विभागों के कार्यों की समीक्षा
» 11 जुलाई को सामाजिक सुरक्षा दिवस मनाने का निर्देश

बीएनएम।लखीसराय

लखीसराय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जानकारी देते डीएम व अन्य

कलेक्ट्रेट स्थित NIC के सभा कक्ष में मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा की अध्यक्षता में जिला पदाधिकारी एवं प्रमंडलीय आयुक्त के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिव ने विभिन्न विभागों की कार्यों की समीक्षा की। सचिव ने स्वास्थ्य विभाग, आपदा प्रबंधन विभाग, शिक्षा विभाग, कल्याण विभाग, श्रम संसाधन विभाग, समाज कल्याण विभाग, नगर परिषद सूर्यगढ़ा, जीविका इत्यादि की समीक्षा की। मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सरकार द्वारा संचालित लोक कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा के क्रम में निदेश दिया कि सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजना का लाभ हर हाल में आम लोगों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने डीएम को यह भी निर्देश दिया कि जनहित को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन एवं विकास कार्य में गति लाएं। 11 जुलाई को सामाजिक सुरक्षा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इस दिन मुख्यमंत्री नितीश कुमार के द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अंतर्गत पेंशन की बढ़ी हुई दर से (400रु के स्थान पर 1100रु) लाभार्थियों को प्रदान किया जाना है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मद्य निषेध विभाग की समीक्षा में गाड़ियों की अधिग्रहण से संबंधित चर्चा की गई। समीक्षा बैठक में जिला पदाधिकारी के साथ वरीय उपसमाहर्ता शशि कुमार, जिला खेल पदाधिकारी रवि कुमार, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी प्राची कुमारी, सिविल सर्जन लखीसराय बी पी सिन्हा, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी (आईसीडीएस) वंदना पांडे, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग नैंसी मुर्मू सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में लाएं तेजी

उप निर्वाचन आयुक्त संजय कुमार ने सहरसा व मधेपुरा में अद्यतन प्रगति की ली जानकारी

बीएनएम। सहरसा

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल पदाधिकारी

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के उप निर्वाचन आयुक्त संजय कुमार की अध्यक्षता में सहरसा सूचना विज्ञान केंद्र में विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 की अद्यतन प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सहरसा जिला पदाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी दीपेश कुमार, पुलिस अधीक्षक हिमांशु, सहरसा के सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। वहीं, मधेपुरा के जिलाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी एवं निर्वाचक निबंधन पदाधिकारीगण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

विधानसभावार कार्ययोजना की गई प्रस्तुत

समीक्षा के दौरान उप निर्वाचन आयुक्त ने सभी ई.आर.ओ (ERO) से विधानसभावार अद्यतन कार्ययोजना एवं प्रगति की जानकारी ली। निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या, मतदान केंद्रों की स्थिति, बी.एल.ओ. की उपलब्धता, प्रपत्रों का वितरण, संग्रहण एवं अपलोडिंग की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई।

स्वयंसेवकों की तैनाती और कैंप मोड पर जोर

बैठक में बताया गया कि कार्यों के त्वरित निष्पादन एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के लिए अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती की गई है। स्वयंसेवकों के साथ-साथ प्रखंड स्तरीय अधिकारियों द्वारा कैंप मोड में मॉनिटरिंग की जा रही है। उप निर्वाचन आयुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों से अभियान की गति और गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु ठोस कार्ययोजना प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। इस मौके पर सहरसा के अपर समाहर्ता निशांत, सदर एवं सिमरी बख्तियारपुर के अनुमंडल पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

हिन्दी को जबरन घसीटना

महाराष्ट्र के विद्यालयों में पहली कक्षा से हिन्दी भाषा को शामिल करने के खिलाफ बढ़ते विरोध के दरम्यान मंत्रिमंडल ने त्रि-भाषा नीति पर सरकारी आदेश को रद्द कर दिया। भाषा नीति के कार्यान्वयन व आगे की राह सुझाने के लिए शिक्षाविद् की अध्यक्षता में समिति का गठन करने की घोषणा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस ने की। राज्य सरकार ने अप्रैल मध्य में आदेश जारी किया था कि अंग्रेजी व मराठी माध्यम स्कूलों के छात्रों के लिए पहली से पांचवीं कक्षा तक हिन्दी को तीसरी अनिवार्य भाषा बनाया गया था, परंतु जबरदस्त विरोध के चलते महीने भर बाद ही संशोधित सरकारी आदेश द्वारा हिन्दी को वैकल्पिक विषय बता दिया गया। आदेश को रद्द करते हुए मुख्यमंत्री ने दलीलें दीं, कि मुख्यमंत्री रहते हुए उद्धव ठाकरे द्वारा कक्षा एक से बारह तक तीन भाषा नीति लागू करने की सिफारिशें स्वीकारी थीं व कार्यान्वयन पर सामिति गठित की थीं। भाषा विवाद देश में नया नहीं है। दक्षिण के कई राज्य हिन्दी का सिर्फ विरोध ही नहीं करते रहे हैं बल्कि इसे थोपे जाने के आरोप भी मढ़ते रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में त्रि-भाषा लागू करने की बात की गई है। जिसमें कम-से-कम दो भाषाएं भारत की मूल होनी अनिवार्य है। तीसरी भाषा का चयन छात्र/राज्य व क्षेत्र के अनुरूप करने की बात की गई। मगर स्थानीय राजनीतिक दलों ने इसे मुद्दा बनाया और वे पूर्वाग्रह से हिन्दी थोपने के विरोध करने में जुट गए। बेशक राज्यों में सरकारी नौकरियों के लिए उम्मीदवारों से स्थानीय भाषा के ज्ञान की अनिवार्यता अभी भी है। महाराष्ट्र में बहुसंख्य लोग मराठी बोलते हैं। यह देश में प्रयोग की जाते वाली भाषाओं में तीसरा स्थान रखती है, जिसे पश्चिम भारत के अन्य राज्यों में भी खूब प्रयोग किया जाता है। बावजूद इसके भाषा विवाद में जबरन हिन्दी को घसीटना सिर्फ राजनीतिक कीचड़ उछालने का दस्तूर बन गया है, जिस पर सरकार को कड़ा निर्णय लेना चाहिए। किसी भी राष्ट्रीय नीति को लेकर राज्यों को सहिष्णुता बरतनी चाहिए। केंद्र को इस पर दखलंदाजी करने पर संकोच नहीं करना चाहिए। जब तीसरी भाषा का चुनाव छात्रों के इख्तियार में है, वे स्वेच्छापूर्वक न चाहें तो उन्हें मजबूर नहीं किया जा सकता। सरकार का इस तरह का ढुलमुल रवैया उचित नहीं। अंग्रेजी पर बढ़ती निर्भरता और जरूरत को सहजतापूर्वक स्वीकारने वालों को एकता व अखंडता का सम्मान करते हुए जनता को यह इख्तियार देना होगा। भाषाओं की अपनी गरिमा व सम्मान है, उसके प्रति द्वेष कतई उचित नहीं है।

अपनी पहचान जाहिर करने में कैसी शर्म !

डॉ. आशीष वशिष्ठ

भगवान शंकर के प्रिय माह सावन की शुरुआत 11 जुलाई से है। सावन की शुरुआत के साथ ही कांवड़ यात्रा का शुभारंभ हो जाएगा। कांवड़ यात्रा में शिवभक्त नंगे पांव हाथ में कांवड़ लेकर लंबी दूरी तय करके शिवलिंग या ज्योतिर्लिंग में जाते हैं और पवित्र नदियों के जल से उनका अभिषेक करते हैं। उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर कांवड़ यात्रा निकालने की परंपरा है। कांवड़ यात्रा का विराट रूप पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दिखता है। हरिद्वार से कांवड़ लेकर निकलने वाले कांवड़ यात्री इस मार्ग से निकलते हैं। इस मार्ग में भगवान शिव के कई बड़े प्राचीन एवं प्रसिद्ध मंदिर हैं। यहां पर श्रद्धालु भगवान का जलाभिषेक करते हैं। मुजफ्फरनगर, शामली, मेरठ से लेकर गाजियाबाद, हापुड़ तक के शिव मंदिरों में इस मार्ग से गंगाजल लेकर भक्त कांवड़ यात्रा निकालते हैं। लेकिन कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा मार्ग पर तनाव बढ़ गया है। असल में, मुजफ्फरनगर जिले के बघरा गांव में योग साधना आश्रम के संचालक और सनातन धर्म के प्रचारक स्वामी यशवीर महाराज पिछले कुछ वर्षों से कांवड़ मार्ग पर दुकानों और ढाबों पर नेम प्लेट लगाने की मांग करते रहे हैं। उनका कहना है कि कांवड़ मार्ग पर कुछ लोग हिंदू देवी-देवताओं के नाम पर ढाबे और दुकानें चलाकर शिव भक्तों को धोखा दे रहे हैं। पहचान छुपाकर धोखा देने वाले कई मामले सामने आने के बाद पिछले साल उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों ने आदेश जारी किए कि कांवड़-यात्रा के मार्ग के ढाबे, होटल, रेस्तरां, दुकानदार, खोमचेवाले स्पष्ट नाम पट्टिका लगाएंगे। सरकार का मंतव्य है कि कांवड़ियों की आस्था और श्रद्धा खंडित न हो। सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश इस पर रोक लगा दी थी। हालांकि, इस साल भी उप्र और उत्तराखंड की सरकारों ने पिछले साल की भांति आदेश जारी किए हैं। ताजा प्रकरण यह है कि, स्वामी यशवीर महाराज और हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता कांवड़ मार्ग स्थित दिल्ली-दून हाईवे स्थित पंडित वैष्णो ढाबा पर पहुंचे। वास्तव में, ढाबा मुस्लिम का था, लेकिन बोर्ड पर लिखा था-'पंडित का शुद्ध वैष्णो ढाबा।' यानी पहचान छिपाने का अपराध किया गया था। पंडित वैष्णो ढाबे को सनव्वर नाम का एक मुस्लिम व्यक्ति चलाता है। इस ढाबे में उसका बेटा आदिल और जुबैर समेत दो अन्य लोग भी काम करते हैं। कहा जा रहा है कि यशवीर महाराज और अन्य ने ढाबे के मालिक और कर्मचारियों की धार्मिक पहचान जांचने के लिए पैंट उतरवाई। विवाद यहीं से भड़का। आग में घी डालते हुए समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद एसटी हसन ने पहचान वाले मामले को पहलगाम आतंकी हमले से जोड़ने का काम किया। हसन ने कहा कि, ''मैं पूछना चाहता हूं कि क्या आम नागरिकों को अधिकार है कि वह किसी दुकानदार की पैंट उतरवाकर चेक कर सकते हैं? क्या पहलगाम में आतंकियों ने पैंट नहीं उतरवाई थी? ऐसा करने वाले और पहलगाम के आतंकवादियों में क्या अंतर रह गया?'' उस ढाबे पर यह घटना हुई अथवा नहीं, पुलिस इसकी जांच कर रही है। लेकिन प्रकरण को 'सांप्रदायिक मोड़' दे दिया गया। पहलगाम एक सुनियोजित आतंकी कृत्य था। इन दोनों घटनाओं की तुलना करना न केवल तथ्यात्मक रूप से गलत है, बल्कि यह समाज में धार्मिक आधार पर तनाव पैदा करने का प्रयास भी है। और जहां तक बात पहचान छुपाने या धोखा देने की है तो यह धंधा लंबे समय से चल रहा है। जुलाई, 2021 में गाजियाबाद में दो ऐसे मुसलमान दुकानदारों का पता चला था, जो हिंदू नाम से दुकान चला रहे थे। इनमें एक दुकान पुरानी सब्जी मंडी में है, जिसका नाम है 'न्यू अग्रवाल पनीर भंडार।' इस दुकान का मालिक है मंजूर अली। दूसरी दुकान 'लालाजी पनीर भंडार' के नाम से है। इसका मालिक ताहिर हुसैन है। इन दोनों का कहना था कि हिंदू नाम रखने से ग्राहक कम पूछताछ करते हैं और धंधा अच्छा चलता है। यानी ये धंधे के लिए हिंदुओं के साथ धोखा कर रहे थे। इनकी पोल तब खुली जब कुछ लोगों को पता चला कि इनका जीएसटी नंबर इनके असली नाम से है। स्थानीय दुकानदारों ने इनका विरोध किया तो इन लोगों ने अपनी दुकानों के नाम बदल लिए हैं। पिछले साल कांवड़ यात्रा के समय जब नेम प्लेट लगाने के आदेश जारी हुए थे, तो खूब हंगामा मचा था। उस समय सोशल मीडिया से लेकर अखबारों और समाचार चैनलों तक में इस बात की बड़ी चर्चा थी कि कैसे एक आदेश के चलते रातों रात मुजफ्फरनगर का 'संगम शुद्ध शाकाहारी होटल' बन गया 'सलीम ढाबा।' 'मां भवानी जूस कार्नर' का नाम हो गया 'फहीम जूस केंद्र।' 'टी प्वाइंट' का नाम हो गया 'अहमद टी स्टाल।' ऐसे ही 'नीलम स्वीट्स' का मालिक निकला मोहम्मद फजल अहमद। 'अनमोल कोल्ड ड्रिंक्स' का मालिक है मोहम्मद कमर आलम। खतौली के 'चीतल ग्रैंड' के बाहर एक बोर्ड लग गया है, जिस पर लिखा गया है- शारिक राणा डायरेक्टर। सहारनपुर में चल रहे 'जनता वैष्णो ढाबा' का मालिक है मोहम्मद अनस सिद्दीकी। मुजफ्फरनगर के बझेड़ी गांव निवासी वसीम अहमद ने पिछले साल पहचान जाहिर होने के बाद अपना 'गणपति' ढाबा बेच दिया। एक रिपोर्ट के अनुसार देहरादून-नैनीताल राजमार्ग पर 20 से अधिक ढाबे ऐसे हैं, जो हिन्दू देवी-देवताओं के नाम पर हैं, लेकिन इन्हें चलाने वाले मुसलमान हैं। हरिद्वार नजीबाबाद रोड पर चिड़ियापुर और समीरपुर गंग नहर रोड पर भी ऐसे हिंदू नामधारी ढाबे हैं, जिनके मालिक मुसलमान हैं। मेरठ, गजरौला, गढ़मुक्तेश्वर, मुंडा पांडे हाईवे पर भी दर्जनों ऐसे ढाबे चल रहे हैं, जिनके मालिक मुसलमान हैं। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, धोखा देने के लिए ये लोग होटल के अंदर हिंदू देवी-देवताओं के चित्र भी रखते हैं, ताकि हिंदू यात्रियों को लगे कि वे किसी हिंदू होटल में ही खाना खा रहे हैं। लेकिन जब कोई ग्राहक ऑनलाइन पैसा देता है, तब पता चलता है मालिक मुसलमान है। इन ढाबों और होटलों में काम करने वाले लोगों के नाम राजू, विक्की, गुड्डू, सोनू जैसे होते हैं। ये लोग तिलक भी लगाते हैं और कलावा भी बांधते हैं। यह धोखा नहीं तो क्या है? मुजफ्फरनगर के पंडित वैष्णो ढाबे पर काम करने वाले तजमुल ने खुद को गोपाल बताया था। हरिद्वार में गुप्ता चाट भंडार में स्कैनर से पेमेंट गुलफाम नाम के अकाउंट में जाने का मामला बीते दिनों प्रकाश में आया है। अहम सवाल यह है कि पहचान छुपाकर व्यापार करने के पीछे कोई मजबूरी है या षडयंत्र? मुस्लिम व्यक्ति को अपने नाम से दुकान या ढाबा खोलने में क्या दिक्कत है? अपने-अपने धर्म के हिसाब से नाम लिखकर लोग दुकान खोलेंगे या व्यापार करेंगे तो ग्राहक अपनी मर्ज़ी से दुकान पर जाएगा और जिसे जहां से जो खरीदना होगा, वो वहां से ख़रीदेगा। लेकिन पहचान छुपाकर व्यापार या कोई अन्य कार्य करना कानून और नैतिक तौर पर गलत और अपराध है। ऐसी घटनाएं और प्रकरण प्रकाश में आने के बाद संदेह और अविश्वास का माहौल बनता है। जो सामाजिक, राजनीतिक और कानून व्यवस्था के मोर्चे पर दिक्कतें पैदा करता है। बात जब खाने पीने की हो तो मामला गंभीर और संवेदनशील हो जाता है। खानपान के पीछे व्यक्तिगत रूचि, संस्कार, धर्म-कर्म और आस्था की पृष्ठभूमि और भूमिका होती है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि शासन-प्रशासन के नेम प्लेट के आदेश से किसी की भावनाएं आहत नहीं होतीं। खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 में स्पष्ट प्रावधान है कि खानपान के दुकानदारों को अपना फूड लाइसेंस ऐसी जगह लगाना होगा, जहां आसानी से उसे देखा जा सके। वैसे भी ये मसला हिंदू-मुस्लिम, धार्मिक भेदभाव या किसी की आजीविका की बजाय सीधे तौर भावनाओं और ग्राहक के अधिकार से जुड़ा है। जो करोड़ों की संख्या में कांवड़िए हरिद्वार से गंगा जल लेकर अपने गंतव्य की ओर जाते हैं, उन सबको रास्ते में भोजन कैसा मिले? कैसा भोजन वो खाएं? ये उनकी स्वतंत्रता है। जब मुसलमान हलाल प्रमाणपत्र देखकर ही कोई सामान खरीदता है, तब हिंदू भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता है।

लगातार अपनी विश्वसीयता को कमतर कर रहे ट्रंप

डॉ. एस.के. मिश्र

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार अपनी विश्वसीयता को कमतर कर रहे हैं। कभी अनाप-शनाप निर्णय के कारण तो कभी भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर का श्रेय लेने के कारण। ताजा मामला ईरान और इजरायल के बीच युद्धविराम के एकतरफा ऐलान का है। इस कदम के फलस्वरूप न केवल उनके देश के नागरिकों में गुस्सा है बल्कि उनके सहयोगी देश भी सकते में हैं। यही नहीं ट्रंप ने दवा किया कि दोनों देश शांति के लिए उनके हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से विस्तृत युद्ध विराम की घोषणा की। आपने दावा किया कि ईरान और इजरायल लगभग एक साथ मेरे पास आए और कहां 'शांति, मुझे पता था कि अब समय आ गया है। विश्व और मध्य पूर्व ही असली विजेता है। आगे कहा कि 'इजरायल और ईरान का भविष्य असीमित है और महान आशाओं से भरा है दोनों देश अपने भविष्य में जबरदस्त स्नेह, शांति और समृद्धि देखेंगे। विचारणीय विषय यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्धविराम योजना को स्वीकार कर लिया ताकि मध्य पूर्व में चल रहे 12 दिनी युद्ध को अलविदा किया जा सके। कहा गया तब तेहरान ने ईरान में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर जवाबी सीमित प्रक्षेपास्त्र द्वारा प्रहार किया था। वास्तव में यह अमेरिका द्वारा ईरान के परमाणु स्थलों पर की गई बमबारी का बदला था। यह भी ध्यान रहे कि इजरायल ने भी अभी तक ट्रंप के युद्ध विराम की घोषणा को स्वीकार नहीं किया है। आखिरकार ट्रंप की इस प्रकार की खोखली घोषणाएं देश एवं दुनिया को क्या जाहिर कराना चाहती है। इस तरह ट्रंप अपने मुंह मियां बनकर अमेरिका की प्रतिष्ठा को भी धूल धूसरित करने में लगे हैं। दूसरी तरफ, इजरायल ने ईरान पर युद्धविराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए बलपूर्वक जवाब देने की कसम खाई है। ईरान तथा इजरायल के बीच युद्धविराम की बात जिसने 12 दिनों के संघर्ष को रोक कर राहत भले दे दी हो, किंतु अभी भी असमंजस की स्थिति स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। ट्रंप अमेरिका के ही नहीं बल्कि दुनिया के ऐसे पहले राष्ट्र प्रमुख होंगे जिन पर विश्वास करना खतरे से खाली नहीं है। दुनिया के हर मामले में हस्तक्षेप करके अपनी साख खोते जा रहे हैं। स्मरण रहे कि ट्रंप ने स्पष्ट रूप से ईरान इजरायल युद्ध में शामिल होने

के संदर्भ में कहा था 'अमेरिका दो हफ्तों के भीतर इस संघर्ष में शामिल होने का फैसला करेगा, किंतु दो दिन बाद ही अमेरिका के बी-2 बमवर्षकों द्वारा ईरान के तीन प्रमुख परमाणु स्थलों पर हमला किया, जिसके परिणामस्वरूप भू राजनीतिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण क्षेत्र में बड़े पैमाने पर तनाव बढ़ने की आशंकाएं बढ़ गई। ट्रंप की घोषणा के बाद तेल अवीव और तेहरान संघर्षविराम पर सहमत हो गए हैं। बड़ी असमंजस की स्थिति बन चुकी है। एक ओर अमेरिका कह रहा है कि उसने ईरान की परमाणु क्षमता को सीमित कर दिया है वहीं ईरान का कहना है कि वह दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश के सामने खड़े होकर मुकाबला करने का जज्बा, जोश और जुनून रखता है और किसी भी हालत में पीछे ने हटने की बात भी करता है। इजरायल बहुत हद तक ईरान को कमजोर एवं खंड-विखंड की बात कहता है। इस युद्ध में हर देश अपने को एक दूसरे से बड़ा विजेता बनने की बात करता है, किंतु इसकी सत्यता तो समय पर पता लगेगी कि वास्तविक जीत किसकी हुई है? ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई ने कतर में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर किए गए अपने आक्रमण को लेकर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि इस हमले में किसी को नुकसान नहीं पहुंचा है। ईरान किसी के द्वारा की गई ज्यादती को किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करेगा। हम किसी के आगे नहीं झुकेंगे। यही ईरानी राष्ट्र की सोच है। स्पष्ट कर दूं कि एक दिन पूर्व अमेरिका ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु प्लांट्स पर हमला किया था, जिसमें फोर्डा परमाणु सुविधा संपन्न केंद्र भी शामिल था। इसमें अमेरिका ने बी-2 स्पिरिट स्टील्थ बॉम्बर्स के द्वारा 14 जीबीयू-57 में सिर्फ ऑर्डिनेंस पेनिट्रेटर गिराए थे। इससे ईरान के परमाणु सुविधा को बड़ी हानि उठानी पड़ी। ट्रंप अपने देश के ही नहीं बल्कि दुनिया के पहले राष्ट्राध्यक्ष होंगे जो अपनी अस्थिर सोच, विचार, क्रियाकलाप एवं व्यवहार के रूप में जाने जाएंगे। नोबेल शांति पुरस्कार की लालसा रखने वाले अपने पद, प्रतिष्ठा एवं प्रतिबद्धता को भी दांव में लगाकर दोहरी, दोमुखी एवं दुधारू तलवार से दुनिया को चलाने का जो प्रयास कर रहे हैं, वह बेहद विरोधाभास से भरा हुआ है। जिस स्थिति एवं व्यवहार को अपनाकर वे 'ट्रंप चाल चल रहे हैं, उससे उनकी जीत कभी भी बड़ी हार में बदल सकती है। बड़ा बनने के लिए एक बड़ी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है और स्वयं की बजाय लोगों को साबित करना होता है। एक ओर आतंकी पाकिस्तान के साथ दोस्ती का डिनर दूसरी ओर ईरान पर हमला तीसरी और जी-7 की बैठक को बीच में छोड़ना, 'ऑपरेशन सिंदूर के समय भारत-पाकिस्तान युद्ध में युद्ध विराम का श्रेय खुद लेना और स्वयं पीछे हट जाना कि इसमें मेरी कोई भूमिका नहीं थी; आखिर कितना छिछलापन है? यह सर्वविदित सत्य है कि जहां अस्तित्व हेतु संघर्ष बेहद जरूरी है वहां शांति के बिना जीवन का आधार नहीं है। संघर्ष की अवधारणा अत्यंत व्यापक है, जो शांति की इच्छा को प्रोत्साहित करती है। वर्तमान दौर में संघर्ष एवं शांति बेहद महत्त्वपूर्ण समसामयिक चिंता एवं चिंतन का विषय है। हम सभी शांति, सुरक्षा, सद्भाव, सदाचार, सहयोग, समर्थन, स्नेह, सहानुभूति एवं सार्थक शिक्षा की बात करते हैं, किंतु उन्हें जीवन व्यवहार में अपनाने की बात पर अमल नहीं करते। देशों एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को अपना पि_ बनाए रखने की ललक स्वयं एवं विश्व हित में नहीं होती है। अतः ट्रंप द्वारा स्वयं की शेखी बघारना या डींग हांकना बंद करके मानवीय मूल्यों की सुरक्षा के प्रति गंभीर रूप से चिंता व चिंतन करें तो इतिहास उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार से बड़ा मानवीय हित संरक्षक पुरस्कार से सम्मानित करेगा। जिस तरह की दोहरी सोच वह प्रकट करते हैं, इससे उनके व्यक्तित्व पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वहीं अमेरिका की छवि भी धूल धूसरित होती है। उन्हें जो अभी अपने बेहद खास नजर आ रहे हैं, वो भी कुछ दिनों में पराए हो जाएंगे। काश! उन्हें सदबुद्धि आए और विश्व का कल्याण हो।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप किसी नए काम की शुरुआत कर सकते है, आज का दिन आपके लिए शुभ है। दाम्पत्य रिश्तों में तालमेल बना रहेगा, जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। आज आप ऑफिस में किसी बड़े प्रोजेक्ट को लीड कर सकते है। नौकरी करने वालों के लिए आज का दिन अच्छा है, आज आपको नौकरी में उन्नति के अवसर प्राप्त हो सकते है।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए खास रहेगा। आज से आप अपनी हेल्थ को ठीक रखने के लिए रोज व्यायाम करने की आदत को सुधारेंगे। वैवाहिक जीवन में कुछ नई जिम्मेदारियों को निभाने का दायित्व प्राप्त होगा व्यापारिक दृष्टि से आपके लाभ की स्थिति बढ़िया रहेगी, पारिवारिक माहौल खुशनुमा रहेगा। नौकरी में कार्यरत लोगों के लिए आज का दिन थोड़ा व्यस्त रहेगा, ऑफिस में मीटिंग हो सकती है।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। इलेक्ट्रॉनिक बिजनेस में आज आपको बड़ा धन लाभ होगा, भौतिक सुख सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। नौकरी का इंतजार कर रहे व्यक्तियों को आज किसी बड़ी कंपनी से ऑफर मिल सकता है। आज आप परिवार के साथ पिकनिक पर जाने का प्लान बना सकते है।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज आप अपने जीवन से जुड़े कुछ जरूरी निर्णय करेंगे, जो भविष्य में आपकी बड़ी मदद करेंगे। शादीशुदा लोगों के लिए आज का दिन अच्छा है, आप जीवनसाथी के साथ कुछ यादगार पल बिताएंगे। छात्रों को आज अपने सीनियर का सहयोग मिलेगा, जिससे वे अपनी पढ़ाई को एक सही दिशा में लेकर जायेंगे।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आज आपको व्यापार में धन लाभ होगा, अत्यधिक खर्च करने से बचें। परिवार में आपसी सहयोग बना रहेगा, सामाजिक तौर पर आपकी स्थिति ठीक रहेगी 7 आर्ट स्टूडेंट को आज कला प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर का प्राप्त होगा।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आज आपको व्यापार में अचानक बड़ा धन लाभ होगा। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा, बच्चों के साथ आज आप कही घूमने जा सकते है। जो लोग प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट करने के बारे में सोच रहे है, आज उनको बढ़िया डील मिलेगी। मीडिया जगत से जुड़े लोग, आज किसी बड़ी घटना पर चर्चा करेंगे। आज आप अपने कर्तव्यों का निर्वहन बेहतर ढंग से करेंगे।

तुला राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपको सगे–सम्बन्धियों से शुभ समाचार की प्राप्ति हो सकती है। घर में किसी मेहमान का आगमन हो सकता है, चहल-पहल बनी रहेगी। विदेश में रह कर काम कर रहे व्यक्तियों को घर जाने का अवसर मिलेगा। आज आपका मन अध्यात्म में ज्यादा लगेगा, जिससे आज आप पॉजिटिव एनर्जी का अहसास करेंगे।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज का दिन आप पढ़ने-लिखने में बिताएंगे और आपकी व्यापारिक दृष्टि से लाभ की स्थिति अच्छी बनी रहेगी। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा, बच्चे आज घर के काम में हाथ बटाएंगे। छात्रों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के अवसर मिलेंगे, जिससे वो विदेश जाने का मन बना सकते है।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा साबित होगा। आज आपको व्यापार में अचानक बड़ा धन लाभ होगा। आज आप भौतिक सुख-सुविधाओं का आनंद लेंगे। रिश्तों में ताल – मेल बना रहेगा, जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जायेंगे। रोजगार में तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे, जिससे आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज आप मित्रों के साथ किसी धार्मिक यात्रा पर जाने का प्लान बना सकते है।

मकर राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपका सारा ध्यान आपके काम पर रहेगा , किसी जरूरी काम के सिलसिले में आपको बाहर जाना पड़ सकता है। ससुराल पक्ष से आज आपको विशेष सूचना प्राप्त होगी। आज आपको पैसों के मामलों में थोड़ा ध्यान रखने की आवश्यकता है, उधार के लेन – देन से बचें।

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। सामाजिक कार्यों में कार्यरत व्यक्तियों को आज पद-प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी, जिससे समाज में आपकी जवाबदेही बढ़ेगी। तकनीकी क्षेत्र में काम कर रहे व्यक्तियों की कार्यकुशलता आज अधिक अच्छी होगी। आज आपको विभिन्न स्त्रोतों से आय प्राप्त होने वाली है।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। आज आपको व्यापार में अच्छा धन लाभ होगा लेकिन फिजूलखर्ची से बचकर रहें। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में तालमेल बना रहेगा। आज आप ऑफिस का माहौल अच्छा रखने की कोशिश करेंगे।

इतिहास में अमर है रणथंबोर का जौहर

रमेश शर्मा

भारत पर हुए मध्यकाल के आक्रमण साधारण नहीं थे। हमलावरों का उद्देश्य धन संपत्ति के साथ स्त्री और बच्चों का हरण भी रहा, जिन्हें वे अत्याचार के साथ गुलामों के बाजार में बेचते थे। इससे बचने के लिए भारत की हजारों वीरांगनाओं ने अपने बच्चों के साथ जल और अग्नि में कूदकर अपने स्वत्व और स्वाभिमान की रक्षा की। ऐसा ही एक जौहर रणथंबोर में 09 जुलाई 1301 से आरंभ हुआ जो तीन दिन चला। इस जौहर में राणा हमीर देव की रानी रंगा देवी ने अपनी पुत्री पद्मा के साथ जौहर किया। उनके साथ बारह हजार अन्य स्त्री और बच्चों ने जल और अग्नि में कूदकर अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। रानी रंगादेवी चित्तौड़ की राजकुमारी थीं और रणथंबोर के इतिहास प्रसिद्ध राजा हमीरदेव को ब्याहीं थीं। रणथंबोर का यह राज परिवार पृथ्वीराज चौहान का वंशज माना जाता है। मोहम्मद गौरी के हमले से दिल्ली के पतन के बाद उनके एक पुत्र ने रणथंबोर में राज स्थापित कर लिया था। इसी वंश में आगे चलकर 07 जुलाई 1272 को हमीरदेव चौहान का जन्म हुआ। उनके पिता राजा जेत्रसिंह चौहान ने भी दिल्ली सल्तन के अनेक आक्रमण झेले थे, लेकिन रणथंबोर किले की रचना ऐसी थी कि हमलावर सफल न हो पाये। लगातार हमलों से राजपूताने की महिलाएं भी आत्म रक्षा के लिए शस्त्र संचालन सीखती थीं। हमीरदेव की माता हीरा देवी भी युद्ध कला में प्रवीण थीं। परिवार की पृष्ठभूमि ही कुछ ऐसी थी कि हमीर देव ने कभी स्वाभिमान से समझौता नहीं किया। उन्होंने अपने जीवन में कुल 17 युद्ध लड़े और 16 जीते। जिस अंतिम युद्ध में उनकी पराजय हुई उसी में उनका बलिदान हुआ। उन्होने 16 दिसंबर 1282 को रणथंबोर की सत्ता संभाली थी। उनका पूरा कार्यकाल युद्ध में बीता। दिल्ली के शासक जलालुद्दीन ने 1290 से 1296 के बीच रणथंबोर पर तीन बड़े हमले किए पर सफलता नहीं मिली। अलाउद्दीन उसका भतीजा था जो 1296 में चाचा की हत्या करके गद्दी पर बैठा। गद्दी संभालते ही अलाउद्दीन ने राजस्थान और गुजरात पर अनेक धावे बोले। पर रणथंबोर अजेय किला था। वह अपने चाचा के साथ रणथंबोर में पराजय का स्वाद चख चुका था इसलिए उसने यह किला छोड़ रखा था तभी 1299 में एक घटना घटी। अलाउद्दीन की सेना गुजरात से लौट रही थी। उसके दो मंगोल सरदार मोहम्मद खान और केबरु खान रास्ते में रुक गए और रणथंबोर में राजा हमीर देव के पास पहुंचे। दोनों ने अलाउद्दीन के विरुद्ध शरण मांगी। हमीर देव ने विश्वास करके दोनों को न केवल शरण दी अपितु जगाना की जागीर भी दे दी। इस घटना के लगभग दो वर्ष बाद अलाउद्दीन ने रणथंबोर पर धावा बोला। यह कहा जाता है कि अलाउद्दीन इन दोनों को शरण देने से नाराज था। इसलिए धावा बोला पर कुछ इतिहासकारों का मानना है कि यह अलाउद्दीन खिलजी की रणनीति थी। इन दोनों ने न केवल किले के कई भेद दिए अपितु हमीर देव की सेना में भेद पैदा किया, इससे हमीर देव के दो अति विश्वस्त सेनापति रणमत और रतिपाल अलाउद्दीन से मिल गए। इतना करने के बाद 1301 में अलाउद्दीन ने रणथंबोर पर धावा बोला तब हमीर देव एक धार्मिक आयोजन में व्यस्त थे और उन्होंने अपने इन्हीं दोनों सेनापतियों को युद्ध में भेजा। लेकिन दोनों के मन में विश्वासघात आ गया था। इनके अलाउद्दीन से मिल जाने से रणथंबोर की सेना कमजोर हुई। तब किले के दरबाजे बंद कर लिए गए,पर किले के भीतर गद्दार थे। रसद सामग्री में विष मिला दिया गया। किले के भीतर भोजन की विकराल समस्या उत्पन्न हो गई। इस विष मिलाने के संदर्भ

में अलग-अलग इतिहासकारों के मत अलग हैं। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि मोहम्मद खान और कुबलू खान की कारस्तानी थी जबकि कुछ रणमत और रतिपाल का विश्वासघात मानते हैं। विवश होकर हमीरदेव ने केशरिया बाना पहन कर साका करने का निर्णय लिया और किले के भीतर सभी महिलाओ ने रानी रंगा देवी के नेतृत्व जौहर करने का निर्णय लिया। यह जौहर 9 जुलाई से आरंभ हुआ जो तीन दिन चला। यह जौहर दोनों प्रकार का हुआ अग्नि जौहर भी और जल जौहर भी। तीसरे दिन 11 जुलाई 1301 को रानी रंगादेवी ने अपनी बेटी पद्मला के साथ जल समाधि ली। राजा हमीर देव 11 जुलाई को केशरिया बाना पहनकर निकले और बलिदान हुए। इस जौहर में कुल बारह हजार वीरांगनाओं ने अपने स्वत्व रक्षा के लिये प्राण न्यौछावर कर दिए। यह राजस्थान का पहला बड़ा जौहर माना जाता है। इतिहास के विवरण के अनुसार रणमत और रतिपाल अलाउद्दीन खिलजी के हाथों मारे गए जबकि मोहम्मद खान और कुबलू खान का विवरण नहीं मिलता। इसी से यह अनुमान लगाया जाता है की इन दोनों सरदारों को हमीर देव के पास भेजने की रणनीति अलाउद्दीन की ही रही होगी ताकि किले के गुप्त भेद पता कर विश्वासघाती पैदा किए जा सकें। चूंकि युद्ध के पहले का घटनाक्रम साधारण नहीं है। अलाउद्दीन की धमकियों के बीच युद्ध की तैयारी करने की बजाय एक विशाल पूजन यज्ञ की तैयारी करना आश्चर्यजनक है। किसने युद्ध के घिरते बादलों से ध्यान हटाकर यज्ञ में लगाया ? अब सत्य जो हो पर रंगादेवी के जौहर का वर्णन सभी इतिहासकारों के लेखन में है।

जो तीन दिन चला। इतिहास के जिन ग्रंथों में इस जौहर का विवरण है उनमें "हम्मीर ऑफ रणथंभोर" लेखक हरविलास सारस्वत, जोधराकृत हम्मीररासो संपादक-श्यामसुंदर दास, जिला गजेटियर सवाई माधोपुर तथा सवाईमाधोपुर दिग्दर्शन संपादक गजानंद डेरोलिया में है। इधर हम्मीर रासो में लिखा है कि जौहर के वक्त रणथम्भौर में रानियों ने शीस फूल, दामिनी, आड़, तांटक, हार, बाजूबंद, जोसन पौंची, पायजेब आदि आभूषण धारण किए थे। हम्मीर विषयक काव्य ग्रंथों में सुल्तान अलाउद्दीन द्वारा हम्मीर की पुत्री देवलदेह, नर्तकियों तथा सेविकाओं की मांग करने पर देवलदेह के उत्सर्ग की गाथा मिलती है, किन्तु इसका ऐतिहासिक संदर्भ नहीं मिलता। इतिहासकार ताऊ शोखावटी के अनुसार, उम्मीरदेव की पत्नी रंगादेवी ने सेविकाओं और अन्य रानियों के साथ जौहर किया था। इतिहासकारों के अनुसार यह राजस्थान का पहला जौहर था। एक विवरण में लिखा है कि सुल्तान अलाउद्दीन ने हमीरदेव की पुत्री देवलदेह सहित रनिवास की सभी महिलाओं के साथ समर्पण करने की शर्त रखी थी।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज टूर्नामेंट के लिए इस बार इनामी राशि में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, उज्बेकिस्तान के समरकंद में 3 से 16 सितंबर तक होने वाले चौथे फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज टूर्नामेंट के लिए इस बार इनामी राशि में बड़ा बदलाव हुआ है। पुरुष (ओपन) वर्ग में इनामी राशि को 4.6 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 38 करोड़ रुपये) से बढ़ाकर 6.25 लाख डॉलर (लगभग 52 करोड़ रुपये) कर दिया गया है। महिला वर्ग की इनामी राशि को 1.4 लाख डॉलर (11.6 करोड़ रुपये) से बढ़ाकर 2.3 लाख डॉलर (19 करोड़ रुपये) कर दिया गया है। ओपन वर्ग में 116 खिलाड़ी, जिनमें 101 रेटिंग के आधार पर चयनित

पुरुष वर्ग में कुल 116 खिलाड़ी भाग लेंगे। इनमें से 101 खिलाड़ी अपनी अंतरराष्ट्रीय रेटिंग के आधार पर सीधे चुने गए हैं। इस बार प्रतियोगिता में कई युवा सितारे भी हिस्सा ले रहे हैं, जो पहले से ही दुनिया के शीर्ष 20 खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। इनमें हांस नीमन (22 वर्ष), विंसेंट कीमर (20 वर्ष), जावोखिर सिंदारोव (19 वर्ष), निहाल सरीन (20 वर्ष) और अवांडर लियांग (22 वर्ष) शामिल हैं। पूर्व दावेदार भी मैदान मेंपूर्व विश्व खिताब दावेदार बोरिस गेलफैंड और महिला विश्व खिताबी फाइनलिस्ट अलेक्जांद्रा गोऱ्याचकिना को फिडे ने विशेष आमंत्रण देकर ओपन वर्ग में शामिल किया है। **महिला वर्ग की स्थिति** महिला ग्रैंड स्विस प्रतियोगिता में कुल 44 खिलाड़ी रेटिंग के आधार पर चुनी गई हैं। इनके अलावा 4 खिलाड़ी महाद्वीपीय प्रतिनिधित्व से, 4 फिडे वाइल्डकार्ड से और 4 स्थानीय आयोजकों की ओर से नामांकित होंगी। **शीर्ष वरीयता और दावेदार** महिला वर्ग में पूर्व विश्व विजेता तान झोंगयी को शीर्ष वरीय खिलाड़ी के रूप में नामित किया गया है। उनके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर की अनुभवी खिलाड़ी कोनेरु हम्पी (भारत), अन्ना मुझिचुक (यूक्रेन) और कैटेरीना लग्नो (रूस) होंगी।

खिताब बचाने उतरेंगी आर.वैशाली भारत की आर. वैशाली, जो पिछले संस्करण में महिला ग्रैंड स्विस की विजेता रही। इस बार अपने खिताब की रक्षा के लिए एक बार फिर मैदान में उतरेंगी। उनकी मौजूदगी से भारत की उम्मीदें महिला वर्ग में और मजबूत मानी जा रही हैं।

क्रिकेटर यश दयाल की मुश्किलें बढ़ीं, शारीरिक शोषण मामले में एफआईआर दर्ज

गाजियाबाद । ऑयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेलने वाले क्रिकेटर यश दयाल की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। यश पर शादी का वादा कर धोखाधड़ी करने के साथ ही मानसिक और शारीरिक शोषण आरोप में एफआईआर दर्ज की गयी है। यह एफआईआर कराने वाली पीड़िता का आरोप है कि यश ने शादी का झांसा देकर उसका शोषण किया है। इस युवती ने यश के खिलाफ पिछले दिनों ऑनलाइन शिकायत की थी। वहीं यश दयाल के परिवार ने इसे साजिश बताया था। अब इस मामले में एफआईआर भी दर्ज की गई है। यश के खिलाफ इंदिरापुरम थाने में बीएनएस की धारा 69 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। यह गैरजमानती धारा है। वहीं अगर यश दयाल दोषी पाए जाते हैं तो उन्हें 10 साल तक की सजा हो सकती है. पीड़ित युवती के अनुसार वह पांच साल पहले सोशल मीडिया के जरिए यश दयाल के संपर्क में आई थी। शुरुआती दोस्ती बाद में प्रेम में बदल गई। तब यश दयाल ने शादी का भरोसा दिलाया और दोनो लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहे। इस दौरान यश उसे कई जगहों पर ले गये जिसके सबूत भी पीड़िता ने पुलिस को सौंपे हैं।

भारत के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए इंग्लैंड महिला टीम घोषित

सोफी एक्लेस्टन और माया बुशियर की वापसी

लंदन, इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम ने भारत के खिलाफ इस महीने होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय (वनडे) श्रृंखला के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। अनुभवी स्पिनर सोफी एक्लेस्टन और बल्लेबाज माया बुशियर की टीम में वापसी हुई है। यह तीन वनडे मैच 16 जुलाई, 19 जुलाई और 22 जुलाई को क्रमशः साउथैम्प्टन, लॉर्ड्स और चेस्टर-ले-स्ट्रीट में खेले जाएंगे। एक्लेस्टन की वापसी, बुशियर को दोबारा मौका सोफी एक्लेस्टन वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछली सीरीज में हिस्सा नहीं ले सकी थीं, लेकिन अब वह फिट होकर वनडे टीम में लौट आई हैं। वहीं माया बुशियर को नेट साइवर-ब्रंट की चोट के चलते टी20 टीम में मौका मिला था और अब वे वनडे टीम का भी हिस्सा होंगी। टीम की कप्तान नेट साइवर-ब्रंट, जो ग्रोइन (जांघ की मांसपेशी) की चोट के कारण पांच मैचों की टी20 सीरीज के अंतिम तीन मैचों से बाहर रहीं, अब पूरी तरह फिट हैं और वनडे श्रृंखला में खेलने के लिए तैयार हैं। टीम प्रबंधन की ओर से जारी बयान में कहा गया है, "कप्तान नेट साइवर-ब्रंट के पूरी सीरीज में खेलने की उम्मीद है, भले ही वह टी20 सीरीज के अंत में नहीं खेल पाईं।" इंग्लैंड की मुख्य कोच शार्लेट एडवर्ड्स ने कहा, "भारत ने टी20 सीरीज में हमें कड़ी टक्कर दी है। हमने उनसे यही उम्मीद की थी। इन तीन मुकाबलों से हमने अपनी टीम के बारे में बहुत कुछ सीखा है।"

उन्होंने कहाए "हमारी टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है और हमें अपने प्रयासों को अधिक निरंतरता के साथ आगे बढ़ाना होगा। वनडे सीरीज में भी हमसे यही अपेक्षा की जाएगी।" गौरतलब है कि भारतीय महिला टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले दो मुकाबले जीतकर सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। इंग्लैंड महिला वनडे टीम (भारत के खिलाफ) नेट साइवर-ब्रंट (कप्तान), ईएम अलॉट, सोफिया डंकले, एम्मा लैम्ब, टैमी ब्यूमोंट (विकेटकीपर), एमी जोन्स (विकेटकीपर), माया बुशियर, एलिस कैप्सी, केट क्रॉस,एलिस डेविडसन-रिचर्ड्स, चार्ली डीन, सोफी एक्लेस्टन, लॉरेन फाइलर, लिंसी स्मिथ, लॉरेन बेल।

विराट की तरह ही हैं शुभमन के आंकड़े

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल की तुलना पदार्पण के बाद से ही अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली से होती रही है। प्रशंसकों का मानना है कि वह विराट जैसे बल्लेबाज हैं। शुभमन ने इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती दो टेस्ट मैचों में शतक लगाये हैं। पहली बार इंग्लैंड में सीरीज खेल रहे गिल इस समय कोहली की तरह ही प्रदर्शन करते दिख रहे हैं। शुभमन ने अब तक 139 अंतरराष्ट्रीय पारियां खेली हैं जिसमें उनके आंकडे विराट के आसपास हैं। 25 साल के शुभमन ने 139 इंटरनेशनल पारियों के बाद 5831 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका बल्लेबाजी औसत 47.02 रन रहा है। उन्होंने 17 शतक लगाये हैं। वहीं कोहली ने अपनी शुरुआती 139 अंतरराष्ट्रीय पारियों में 45.98 के औसत से 17 शतक के साथ ही 5610 रन बनाए थे। इससे अंदाजा होता है कि दोनों के बीच कड़ा मुकाबला रहा है। रनों के मामले में शुभमन का आंकड़ा कोहली से कही बेहतर है जबकि दोनों के शतक बराबर हैं। बल्लेबाजी औसत में भी इनमें ज्यादा अंतर नहीं है। शुभमन ने टेस्ट में 63 पारी खेली हैं जबकि एकदिवसीय में 55 और टी20 अंतरराष्ट्रीय में 21 पारी उनके नाम हैं। विराट ने अपने लंबे करियर में कई उतार चढ़ा देखे हैं। उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से कई बार टीम इंडिया को बड़ी जीत दिलाई थी। .विराट को एक आक्रामक कप्तान के रूप में जाना जाता है। वहीं दूसरे टेस्ट में शुभमन के दोहरे शतक के बाद कोहली ने उनकी जमकर तारीफ की थी। इससे माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में शुभमन भी विराट की तरह ही जीत दिलाएंगे।

क्या आईसीसी वर्ल्ड क्लब्स टी20 चैंपियनशिप में पीसीबी को जगह मिलेगी?

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की योजना विश्व की लोकप्रिय टी20 क्रिकेट लीग की टीमों के बीच वर्ल्ड क्लब्स टी20 चैंपियनशिप का आयोजन करना है। इसमें पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) को शायद ही शामिल किया जाये। इसका कारण ये है कि इस इवेंट के लिए हुई बैठक में पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपना प्रतिनिधि नहीं भेजा था जबकि उसे आमंत्रण दिया गया था जिसके बाद से ही आईसीसी उससे नाराज है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड द्वारा आयोजन इस बैठक में प्रमुख टी20 फ्रेंचाइजी-आधारित लीगों के सीईओ शामिल हुए थे। इस , "बैठक में प्रस्तावित वर्ल्ड क्लब्स चैंपियनशिप, इसकी विंडो, फॉर्मेट, शेड्यूल आदि पर बात हुई थी। इसमें एमिरेट्स लीग, बिग बैश लीग, द हंड्रेड, एस20, एलएलसी, कैरेबियन प्रीमियर लीग आदि के सीईओ शामिल हुए थे। शुरुआत में वर्ल्ड क्लब्स इवेंट में पांच टीमें होंगी हालांकि इसमें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की कोई टीम भाग नहीं लेगी पर उसे पीएसएल का समर्थन रहेगा। वर्ल्ड क्लब्स चैंपियनशिप को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है जिससे कि प्रस्तावित सऊदी क्रिकेट लीग का मुकाबला किया जा सके। सऊदी लीग को 400 मिलियन डॉलर की के साथ निजी निवेशक शुरू करने का प्रयास कर रहे हैं। वे हर साल टेनिस ग्रैंड स्लैम इवेंट्स की तर्ज पर अपनी लीग को आयोजित करना चाहते है।

व्यापार

डॉलर की तुलना में मजबूत हुआ रुपया, 26 पैसे की तेजी के साथ बंद हुई भारतीय मुद्रा

नई दिल्ली, अमेरिका के साथ ट्रेड डील होने की संभावना, कच्चे तेल की कीमत में आई गिरावट और डॉलर की मांग में कमी आने के कारण आज डॉलर की तुलना में रुपया 26 पैसे की मजबूती के साथ 85.68 (अस्थायी) के स्तर पर बंद हुआ। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय मुद्रा 54 पैसे की बड़ी गिरावट के साथ 85.94 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में आज रुपया डॉलर की तुलना में 19 पैसे की बढ़त के साथ 85.75 के स्तर पर खुला था। दिन के कारोबार में रुपया कमजोर होकर 85.80 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक गिर गया। हालांकि डॉलर की आवक बढ़ने पर भारतीय मुद्रा मजबूत होकर 85.64 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक भी आई। पूरे दिन के काराबोर के बाद भारतीय मुद्रा 85.68 रुपये (अस्थायी) प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई। कैपेक्स गोल्ड एंड इन्वेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का मानना है कि कच्चे तेल की कीमत में नरमी आने और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के आज स्टॉक मार्केट में बिकवाल की जगह लिवाल की भूमिका में आ जाने के कारण डॉलर की आवक तो बढ़ी ही, लेकिन उसकी मांग भी घट गई। इसके साथ ही अमेरिका और भारत के बीच जल्द ही टैरिफ को लेकर अंतरिम समझौते का ऐलान होने की संभावना की वजह से रुपये पर बना दबाव आज घटता हुआ नजर आया। भारतीय मुद्रा रुपये ने डॉलर के साथ ही ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले भी मजबूती दिखाई। आज के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 36 पैसे की मजबूती के साथ 116.50 के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया आज 12 पैसे की मजबूती के साथ 100.62 के स्तर पर पहुंचने में सफल रहा।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

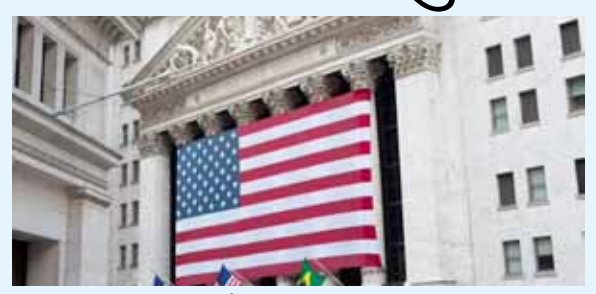

नई दिल्ली, ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज फिलहाल कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के कारोबार के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजार में भी आज मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'टैरिफ बम' फोड़ना शुरू कर दिया है। टैरिफ को लेकर ट्रंप की नई घोषणाओं के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान घबराहट का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.79 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,229.98 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 188.59 अंक यानी 0.92 प्रतिशत टूट कर 20,412.52 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.06 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 44,380.66 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद आखिरी वक्त में हुई बिकवाली के कारण मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,806.53 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.35 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,723.47 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 286.22 अंक यानी 1.19 प्रतिशत उछल कर 24,073.67 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजार में से 6 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में और 3 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,335.37 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.56 प्रतिशत लुढ़क कर 1,116.66 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 6,896.43 अंक के स्तर पर कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,551 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 0.25 प्रतिशत की तेजी के साथ 39,686.59 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने आज बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 1.21 प्रतिशत उछल कर 3,096.37 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 211.40 अंक यानी 0.88 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,099.23 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.57 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,493.16 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.49 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,051.44 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

आखिरी घंटे की खरीदारी से सुधरी शेयर बाजार की चाल, मजबूती के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली, पूरे दिन दबाव में कारोबार करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज आखिरी घंटे में हुई खरीदारी के कारण बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होने लगा। दिन के कारोबार में ज्यादातर समय बिकवालों का पलड़ा भारी रहा। हालांकि, आखिरी घंटे में खरीदार लिवाली का जोर बनाने में सफल रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.32 प्रतिशत और निफ्टी 0.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, रियल्टी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑयल एंड गैस, आईटी, कैपिटल गुड्स और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल, एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और मेटल सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 25 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 461.38 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 461.13 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 25 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,167 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,973 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,062 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 132 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,644 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,192 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,452 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 18 शेयर बढ़त के साथ और 12 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 26 शेयर हरे निशान में और 24 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 55.47 अंक की कमजोरी के साथ 83,387.03 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही लिवालों और बिकवालों के बीच जोर आजमाइश शुरू हो गई, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होने लगा। दोपहर 2 बजे के बाद तक बाजार में ज्यादातर समय बिकवालों का दबदबा बना रहा। इस दौरान सेंसेक्स 121.55 अंक टूट कर 83,320.95 अंक तक गिर गया। इसके बाद शाम 3 बजे के थोड़ी देर पहले खरीदारों ने आक्रामक अंदाज में लिवाली शुरू कर दी, जिससे ये सूचकांक रिकवरी करके 369.81 अंक की मजबूती के साथ 83,812.31 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई बिकवाली की वजह से सेंसेक्स ऊपरी स्तर से करीब 100 अंक फिसल कर 270.01 अंक की बढ़त के साथ 83,712.51 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 33.45 अंक फिसल कर 25,427.85 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसमें बिकवालों का पलड़ा भारी बना रहा।

महाराष्ट्र के जेएनपीए ने पहली तिमाही में कंटेनर संचालन में 15.52 फीसदी की दर्ज की वृद्धि

मुंबई, महाराष्ट्र के नवी मुंबई स्थित जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह प्राधिकरण (जेएनपीए) ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में उल्लेखनीय प्रदर्शन दर्ज करते हुए कंटेनर संचालन में जबरदस्त वृद्धि हासिल की है। अप्रैल 2025 से जून 2025 तक जेएनपीए ने कुल 19,50,188 ट्वेंटी फुट इक्विवेलेंट यूनिट्स (टीईयू) कंटेनरों का संचालन किया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 15.52 प्रतिशत अधिक है। यह उपलब्धि देश के सबसे व्यस्त और प्रमुख बंदरगाहों में से एक जेएनपीए की संचालन क्षमता, कुशल प्रबंधन और तकनीकी दक्षता को दर्शाती है। बंदरगाह प्राधिकरण ने इस उपलब्धि की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की। इसमें बताया गया कि कंटेनर हैंडलिंग में जेएनपीए की स्थिर गति टर्मिनलों के कुशल संचालन की वजह से संभव हो पाई है। इसके अलावा बंदरगाह की अवसंरचना, तकनीकी संसाधन और तेजी से अनुकूल हो रही सहायक सेवाएं भी इस बढ़ोतरी में सहायक सिद्ध हुई हैं। जेएनपीए द्वारा हाल के वर्षों में लगातार क्षमता विस्तार और डिजिटलीकरण के प्रयास किए गए हैं, जिससे परिचालन प्रक्रियाएं अधिक पारदर्शी और तेज हुई हैं। इन प्रयासों का सकारात्मक असर अब आंकड़ों में साफ दिखाई दे रहा है। बढ़ते वैश्विक व्यापार और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में तेजी के चलते जेएनपीए की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

मुझे एक्टिंग कभी भी आसान नहीं लगी : शुभांगी अत्रे

हाल ही में छोटे परदे की लोकप्रिय अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने अपने अभिनय के अनुभव और चुनौतियों पर खुलकर बात की। शुभांगी ने कहा कि कई सालों से कैमरे के सामने काम करने के बावजूद, उनके लिए एक्टिंग कभी भी आसान नहीं लगी। लोकप्रिय टीवी शो 'भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाभी का किरदार निभाकर घर-घर में पहचान बनाने वाली शुभांगी ने कहा, "हर नया किरदार नई चुनौतियां और सीख लेकर आता है। जितना दिलचस्प यह काम लगता है, उतना ही मुश्किल भी महसूस होता है। मुझे 'संघर्ष' शब्द थोड़ा नेगेटिव लगता है, लेकिन एक्टिंग में हर वक्त आगे बढ़ते रहना पड़ता है। यह सफर कभी खत्म नहीं होता बल्कि समय के साथ और खास बनता जाता है।" उन्होंने बताया कि हर किरदार के अपने अलग भाव होते हैं और अभिनेता को किसी और की जिंदगी में कदम रखने के लिए ईमानदारी और मेहनत करनी पड़ती है। लंबे शूटिंग शेड्यूल और थकावट के बीच खुद को कैसे प्रेरित रखती हैं, इस पर शुभांगी ने कहा, "मैं खुद को याद दिलाती हूं कि मैंने यह काम क्यों शुरू किया था। मुझे अपने काम से बहुत प्यार है। जब दिन मुश्किल होते हैं तो मैं छोटी-छोटी अच्छी बातों में खुशी ढूंढती हूं, जैसे कोई जबरदस्त डायलॉग या शानदार सीन। यही मुझे आगे बढ़ने में मदद करता है।" सोशल मीडिया और दर्शकों की प्रतिक्रिया पर शुभांगी ने कहा कि आजकल के भागदौड़ भरे माहौल में दर्शकों का प्यार एक तरह का ईंधन है, जो उन्हें आगे बढ़ाता है। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि यह कभी-कभी बहुत दबाव भी पैदा कर देता है। उन्होंने कहा, "मैं कोशिश करती हूं कि इस दबाव में न आऊं और हर किरदार को पूरी ईमानदारी से निभाऊं ताकि कहानी में सच्चाई और विश्वसनीयता बनी रहे।" शुभांगी ने टीवी पर कहानी कहने के बदलते तरीके की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, "आजकल के टीवी शो असल जिंदगी से प्रेरित होते हैं और इससे कलाकारों को जटिल और गहराई वाले किरदार निभाने का मौका मिलता है। यह बदलाव हमारे लिए एक नया अध्याय जैसा है। मुझे बहुत अच्छा लगता है जब मैं किसी भी किरदार के अलग-अलग पहलू दिखा पाती हूं। यह सब नया और बहुत मजेदार होता है।" वर्कफ्रंट की बात करें तो शुभांगी अत्रे ने अपने करियर की शुरुआत एकता कपूर के मशहूर शो 'कसौटी जिंदगी की' से की थी।

राजकुमार राव की फिल्म मालिक की चर्चा जोरों पर

बालीवुड एक्टर राजकुमार राव और मानुषी छिल्लर की अपकमिंग फिल्म 'मालिक' चर्चा जोरों पर है। फिल्म का अगला गाना 'राज करेगा मालिक' रिलीज कर दिया गया है। ट्रेलर में थोड़े समय के लिए सुनाई दी इसकी धुन पहले से ही फैंस को आकर्षित कर चुकी थी। पूरे गाने में इसकी दमदार बीट्स और राजकुमार राव के इंटेंस गैंगस्टर अवतार की झलक इसे एक पावरफुल एंथम बनाती है। गाने की लाइन "सबपे राज करेगा मालिक" न केवल किरदार के प्रभुत्व की घोषणा करती है बल्कि इसके तेवर को भी बखूबी बयान करती है। सचिन-जिगर के प्रोडक्शन में देसी बीट्स और मॉडर्न एटीट्यूड का शानदार फ्यूजन नजर आता है। अकासा की प्रभावशाली आवाज और एमसी स्क्वायर का देसी रैप गाने में जोश और ठहराव दोनों लाते हैं। अमिताभ भट्टाचार्य के लिखे बोल विद्रोह और लय का बेहतरीन संतुलन पेश करते हैं, जिससे यह ट्रैक एक हाई-एनर्जी पावर एंथम बन गया है जिसे बार-बार सुना जा सकता है। वीडियो में राजकुमार राव की इंटेंस स्क्रीन प्रेजेंस और मानुषी छिल्लर का आत्मविश्वासी अंदाज इस गाने को और भी प्रभावी बनाता है। फिल्म के ट्रेलर को पहले ही शानदार रिस्पॉन्स मिल चुका है और यह गाना उस हाइप को और बढ़ा रहा है। इंडस्ट्री के एक्सपर्ट्स और फैंस, दोनों ही राजकुमार राव के अब तक के सबसे इंटेंस और डरावने गैंगस्टर अवतार की जमकर तारीफ कर रहे हैं। वहीं, पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने भी अपने किरदार शालिनी के लिए डी-ग्लैमर लुक अपनाकर सराहना बटोरी है। यह उनकी एक्टिंग की गंभीरता और चुनौती स्वीकारने की हिम्मत को दर्शाता है। पहले गाने 'नामुमकिन' में दोनों की केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया था और अब 'राज करेगा मालिक' ने इस जोड़ी की इमेज को और मजबूत कर दिया है।

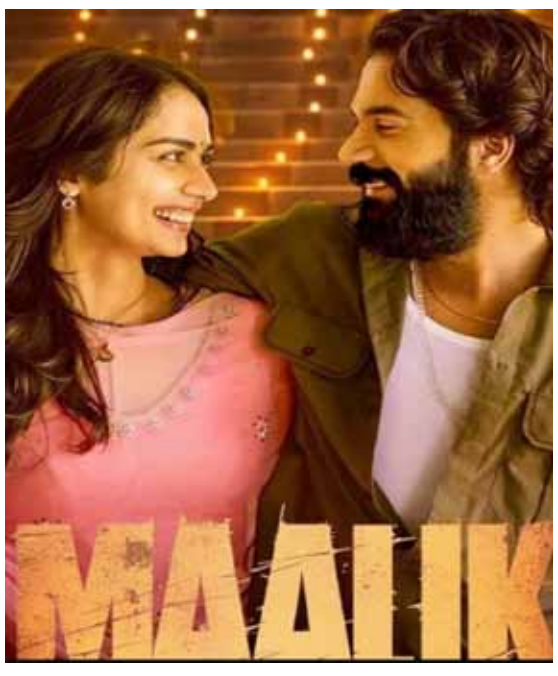

शॉर्ट्स और ब्रालेट पहनकर समंदर में आग लगाने निकलीं श्वेता तिवारी

थम गईं फैंस की नजरें

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस श्वेता तिवारी इन दिनों अपनी हॉट और ग्लैमरस फोटोज को लेकर जबरदस्त चर्चा में हैं. हाल ही में मॉरीशस वेकेशन से लौटीं श्वेता अब लगातार सोशल मीडिया पर अपनी समंदर किनारे की शानदार तस्वीरें शेयर कर रही हैं, हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी जो तस्वीरें शेयर की हैं, वो सोशल मीडिया पर तहलका मचा रहीं हैं, टीवी की दुनिया की सुपरस्टार और लोगों के दिलों पर दशकों से राज कर रहीं श्वेता तिवारी इन दिनों अपनी हॉट और ग्लैमरस फोटोज को लेकर जबरदस्त चर्चा में हैं. हाल ही में मॉरीशस वेकेशन से लौटीं श्वेता अब लगातार सोशल मीडिया पर अपनी समंदर किनारे की शानदार तस्वीरें शेयर कर रही हैं, जिन्हें देखकर फैंस की धड़कनें तेज हो गई हैं. हाल ही में श्वेता ने बीच पर ब्रालेट और डेनिम शॉर्ट्स में फोटोशूट कराया. उनकी फिटनेस, ग्लोइंग स्किन और बेफिक्र मस्ती को देखकर कोई यकीन नहीं कर सकता कि वो 44 साल की हैं. फैंस यहां तक कह रहे हैं, कि श्वेता अपनी बेटी पलक तिवारी को भी स्टाइल में पीछे छोड़ रही हैं. इस ट्रिप के दौरान श्वेता के कई लुक्स वायरल हुए हैं, कभी कलरफुल बिकिनी में तो कभी स्कर्ट-टॉप में, लेकिन उनका ब्रालेट और हाई-वेस्ट डेनिम शॉर्ट्स वाला लुक तो फैंस को खूब पसंद आ रहा है. इस लुक में उनका टोन्ड फिगर, फ्लॉन्ट्ड लेग्स और हैप्पी वाइब्स ने फैंस को दीवाना बना दिया है. इस स्टाइलिश अवतार में श्वेता ने मिनिमल मेकअप के साथ काला चश्मा, गोल्डन ईयररिंग्स और काले धागे वाला ब्रैसलेट पहना है, वहीं लाइट जूलरी और खुले लहराते बालों ने उनके लुक को और भी शानदार बना दिया है. श्वेता की लेटेस्ट फोटोज पर फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं. कोई उन्हें, 25 साल की लड़की कह रहा है, तो कोई उनकी क्यूटनेस पर टैक्स लगाने की बात कर रहा है. एक यूजर ने तो सीधा लिख दिया, श्वेता तिवारी, मेरा पहला प्यार हो तुम! संस्कारी बहू से स्टाइल क्वीन तक का सफर तय कर चुकीं श्वेता तिवारी आज भी हर उम्र के लोगों की फेवरेट हैं, और ये तस्वीरें देखकर तो बस एक ही बात निकलती है. उम्र सिर्फ एक नंबर है, असली बात है स्टाइल और कॉन्फिडेंस. बतादें, श्वेता तिवारी को बड़ी पहचान एकता कपूर के टीवी शो कसौटी जिंदगी की से मिली थी. इस सीरियल में श्वेता ने प्रेरणा का किरदार निभाया था. इस रोल से श्वेता ने हर घर में प्रेरणा के नाम से ऐसी पहचान बनाई, कि आज भी लोग उन्हें उसी नाम से पुकारते हैं. हालांकि, श्वेता ने कलीरे से टीवी इंडस्ट्री में डेब्यू किया था. इतना ही नहीं एक्ट्रेस ने सलमान खान के शो बिग बॉस सीजन 4 में पार्टिसिपेट भी किया था, साथ ही में वो उस सीजन की विनर भी रहीं थीं.

शुरू होने वाला है सावन का महीना
सोमवार के व्रत के दौरान खाएं ये 5 व्यंजन

सावन हिंदू पंचांग का एक पवित्र महीना है, जिसे श्रावण भी कहते हैं। यह महीना भगवान शिव को समर्पित होता है, जिसके हर सोमवार को लोग उपवास रखते हैं। इस दौरान भोले बाबा और माता पार्वती की पूजा करने से उनका आशीर्वाद मिलता है और सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। इस साल सावन का महीना 11 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त को समाप्त होगा। अगर आप भी सावन के सोमवार का व्रत करते हैं तो ये व्यंजन खाएं।

कुट्टू के आटे का चीला : कुट्टू के आटे के चीले की रेसिपी की शुरुआत करने के लिए एक कटोरे में जीरा, कुट्टू का आटा, हरी मिर्च, सेंधा नमक और पानी मिलाएं। एक पैन पर घी डालें और तैयार बैटर को चिमचे की मदद से फैलाएं। जब चीला तैयार हो जाए तो उसपर घिसा हुआ पनीर, सेंधा नमक और अदरक डालकर परोसें। इसके साथ आप इमली की चटनी खा सकते हैं, जिसे इमली, पानी, अदरक का पाउडर, लाल मिर्च और चीनी मिलाकर तैयार किया जाता है।

पनीर की व्रत वाली सब्जी : आप व्रत करते समय भी पनीर की सब्जी खा सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक कढ़ाई में घी गर्म करें और उसमें जीरा डालकर भून लें। इसके बाद इसमें अदरक डालकर पका लें। मु_ीभर काजू लेकर उन्हें गर्म पानी में भिगोएं और फिर पीसकर उनका पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को कढ़ाई में डालकर पकाएं। इसमें ताजी मलाई, काली मिर्च का पाउडर, सेंधा नमक, गर्म दूध और पनीर के टुकड़े डालकर पकाएं और परोसें।

सिंघाड़े के आटे का हलवा : अगर आप उपवास करते समय कुछ मीठा खाना चाहते हैं तो एक बार सिंघाड़े के आटे का हलवा बनाकर देखें। इसके लिए सबसे पहले एक कढ़ाई में घी डालें और उसमें सिंघाड़े का आटा डालकर भून लें। इसे तब तक भूनें जब तक इसका रंग हल्का भूरा न हो जाए। अब इसमें दूध और चीनी डालकर धीमी आंच पर पकने दें। जब हलवा गाढ़ा होने लगे तब उसमें इलायची पाउडर डालकर गर्मा-गर्म परोस लें।

कुट्टू के आटे के समोसे : सबसे पहले एक कटोरे में कुट्टू का आटा, देसी घी और सेंधा नमक मिलाएं। इसके बाद इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए सख्त आटा गूंथ लें। अब एक कटोरे में उबले हुए आलू, सेंधा नमक, हरी मिर्च, काली मिर्च पाउडर, धनिया और पनीर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। आटे को समोसे का आकार देकर उसमें आलू वाला मिश्रण भरें। कढ़ाई में तेल गर्म करके सभी समोसे तलें और उन्हें व्रत वाली चटनी के साथ परोसें।

अरबी की सब्जी : अरबी की व्रत वाली सब्जी बनाने के लिए पहले अरबी को छीलकर छोटे टुकड़ों में काट लें। इसके बाद 2 मध्यम आकार के टमाटर लेकर उन्हें कद्दूकस कर लें। एक कढ़ाई में घी गर्म करें और उसमें जीरा, टमाटर, हरी मिर्च, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी, धनिया पाउडर और सेंधा नमक डालकर भून लें। जब मसाला अच्छी तरह भुन जाए तब इसमें कटी हुई अरबी मिलाएं और अच्छी तरह पक जाने दें। ऊपर से धनिया पत्ती डालकर परोसें।

द वेदाज स्पीक को होस्ट करेंगी रुखसार रहमान, कहा-मुझे ब्रह्मांड के रहस्यों में गहरी दिलचस्पी

अपनी एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस रुखसार रहमान अब एक नए किरदार में नजर आएंगी। वह जल्द ही एक नया चैट शो द वेदाज स्पीक को होस्ट करेंगी। रुखसार ने इस टॉक शो को करने के लिए हामी भरने की वजह बताई। उन्होंने कहा कि उन्हें हमेशा से कुदरत के चमत्कारों में दिलचस्पी रही है, जैसे कि ब्रह्मांड, ज्योतिष, आध्यात्म, और पुराणों की कहानियां आदि। इस वजह से उन्होंने इस शो को होस्ट करना स्वीकार किया। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे हमेशा ब्रह्मांड, ज्योतिष, आध्यात्म, पुराणों और प्रकृति के चमत्कारों में ज्यादा रुचि रही है। ब्रह्मांड में जो रहस्य छिपे हैं, वे मुझे बेहद आकर्षक लगते हैं। ये रहस्य हमारी जिंदगी पर भी असर डालते हैं। रुखसार के लिए द वेदाज स्पीक शो से जुड़ना उनके अपने विश्वासों का एक स्वाभाविक हिस्सा जैसा है। उन्होंने कहा, मुझे हमेशा से प्रकृति की अद्भुत चीजों में गहरी दिलचस्पी रही है। ये चीजें ब्रह्मांड के छिपे हुए राज बताती हैं। इसलिए जब इस शो का हिस्सा बनने का मौका मिला, तो मुझे लगा कि यह काम मेरे दिल के बहुत करीब है और मैं खुशी-खुशी इसके लिए तैयार हो गई। मैं इस शो का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। भेजा फ्राई 2 की एक्ट्रेस ने बताया कि द वेदाज स्पीक बाकी आध्यात्मिक चैट शोज से बिलकुल अलग है। उन्होंने कहा कि यह शो सिर्फ बातें करने वाला नहीं है, बल्कि यह एक गहरी और अर्थपूर्ण यात्रा है। इसमें लोगों की मदद की जाएगी कि वह अपने अंदर झांकें, खुद को समझें और अपनी असली पहचान से जुड़ें। यह लोगों के अंदर बदलाव लाने की कोशिश करेगा। रुखसार ने कहा, यह चैट शो कई मायनों में टीवी या ऑनलाइन पर प्रसारित हो रहे शो से काफी हटकर है। एक्ट्रेस के बारे में बात करें तो रुखसार कई फिल्मों और टीवी शोज में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने गॉड तुस्सी ग्रेट हो, सरकार, भेजा फ्राई 2, पीके, उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक, और 83 जैसी फिल्मों में काम किया है। वह कुछ तो लोग कहेंगे, बालवीर, ड्रीम गर्ल, और मरियम खान – रिपोर्टिंग लाइव जैसे पॉपुलर टीवी शोज का भी हिस्सा रही हैं। रुखसार अब जल्द ही राजकुमार संतोषी की आने वाली फिल्म लाहौर 1947 में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ सनी देओल, प्रीति जिंटा, शबाना आजमी, शिल्पा शेट्टी और अली फजल जैसे बड़े कलाकार भी हैं। यह फिल्म आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस आमिर खान प्रोडक्शन्स के तहत बन रही है। इस फिल्म के जरिए प्रीति जिंटा करीब सात साल बाद इंडस्ट्री में वापसी कर रही हैं। लाहौर 1947 के अलावा, रुखसार के पास उत्तर दा पुत्तर है। इसमें वह अनु कपूर के साथ नजर आएंगी।

Indian stock market is trading in the green mark amid the news of India-US trade deal

Mumbai, Domestic benchmark indices were trading marginally higher in early trade on Tuesday amid US President Donald Trump's announcement that a trade deal with India could be struck soon. At around 9.30 am, the Sensex was trading 91.57 points or 0.11 per cent higher at 83,534.07, while the Nifty was up 22.25 points or 0.09 per cent at 25,483.55. Buying was seen in IT, PSU banks and financial services sectors in early trade. According to analysts, the imposition of tariffs on 14 countries and the exclusion of India from the list indicates that a trade deal between India and the US will be announced soon.

This has already been largely discounted by the market; there are details of potential sectoral tariffs on segments like pharmaceuticals. Market reaction will depend on these details," said Dr VK Vijayakumar, chief investment strategist at Geojit Investments Ltd. Experts said that in the last trading session, Nifty closed slightly higher and formed a green candlestick following the bullish hammer pattern from the previous session. Mandar Bhojane, Technical Analyst, Choice Broking, said, a sustained move above 25,500 levels could pave the way for a further rally towards 25,750. On the downside, immediate support levels are seen at 25,222 and 25,120, which could act as potential entry points for long positions. The Nifty Bank was up 203 points, or 0.36 per cent, at 57,152.20 in early trade. The Nifty Midcap 100 index added 91 points, or 0.15 per cent, to trade at 59,606.75. The Nifty Smallcap 100 index was up 85.70 points, or 0.45 per cent, at 19,035.85. Meanwhile, Kotak Mahindra Bank, Eternal, Tata Motors, BEL, Adani Ports, NTPC, Asian Paints and UltraTech Cement were top gainers in the Sensex pack, while Titan, HCL Tech, Bharti Airtel, M&M and Sun Pharma were top losers. On the institutional front, foreign institutional investors (FIIs) bought shares worth Rs 321.16 crore on July 7. Domestic institutional investors (DIIs) also bought shares worth Rs 1,853.39 crore on the same day. In Asian markets, Seoul, Hong Kong, Japan, China and Jakarta were trading in the green, while only Bangkok was trading in the red. In the previous trading session in the US markets, the Dow Jones closed at 44,406.36, down 422.17 points or 0.94 per cent. The S&P 500 index closed at 6,229.98, down 49.37 points or 0.79 per cent, and the Nasdaq closed at 20,412.52, down 188.59 points or 0.92 per cent.

5 young boys and girls got stuck in the strong current of water while enjoying a picnic and taking selfies in Devpahari

Korba Five young boys and girls who had gone for picnic at Devpahari, a famous tourist spot in Korba district, got stuck in the strong current of water. The water level is gradually rising at the place where they got stuck in the middle of the hill. According to the information, 2 boys and 3 girls got stuck in the middle of the river Devpahari due to sudden rise in water level and are unable to get out. Rescue operation continues As soon as the information about the incident was received, Lemru police immediately reached the spot and the rescue operation has been started. A rescue team has also left for the spot to safely evacuate the stranded tourists. It is worth mentioning that during the rainy season, the water level of the rivers and streams suddenly increases, due to which there is a possibility of accidents. Despite the ban, people went for a picnic Let us tell you that from 15th June to 15th October, entry of common people is prohibited at all water falls sites. Due to rainy season, water flow increases at these places and flood like conditions are created. Therefore, entry of common people at such places is prohibited. Information regarding this is also duly issued at the water falls sites. Entry prohibited notice is also put up at Devphari, despite this, five young men and women stranded at Devphari tourist place reached here knowing everything to have a picnic, take selfies and make reels and got stuck in the strong current and created a problem for the administration. The administration's appeal The administration has appealed to tourists to be cautious at such places during the rains and avoid going into deep water. During the rainy season, public entry to waterfall sites is prohibited, but despite this, people go to waterfall sites flouting the safety warning instructions.

On the occasion of Devshayani Ekadashi, Hasdev Aarti was performed at Maa Sarvamangala Ghat in Korba

Korba: On the lines of Maa Ganga Aarti of Varanasi, the city of faith of Hindu religion, Hasdev Aarti was organized at Maa Sarvamangala Ghat in Korba too. During this, Mayor Sanju Devi Rajput along with officials of various social welfare organizations and a large number of dignitaries participated. On the auspicious occasion of Devshayani Ekadashi, Hasdev Aarti was performed by Namami Hasdev Seva Samiti at Maa Sarvamangala Ghat on Sunday, July 6 at 5 pm. During this, the arrangements for the event were made by the committee. During the Aarti, there was a gathering of devotees at Maa Sarvamangala Ghat who witnessed this scene.

It is noteworthy that Namami Hasdeo Seva Samiti is working to reduce pollution of Hasdeo River, its tributaries and other natural water sources, conserve them and beautify the banks. Rivers have been the center of faith and devotion of Hindus since the ancient times and the basis of the development journey. At present, pollution in rivers and other problems have arisen due to man not following the Sanatan way of life. By working sincerely in this direction, the rivers will definitely be pollution free. To fulfil the above objective, Hasdev Aarti will be organised on the full moon day of every month at Maa Sarvamangala Ghat, Korba. In the same sequence, Hasdev Aarti was also performed on the auspicious occasion of Devshayani Ekadashi. Mayor Sanju Devi Rajput participated in the said Hasdev Aarti as the chief host. Apart from this, special hosts District Working President of Rashtra Sevika Samiti Geeta Singh, President of Agrawal Mahila Mandal Manisha Goyal, District President of Satnami Kalyan Samiti Dr. Barkha Rani Kurre, Women Coordinator of All India Agharia Samaj Regional Committee Laxmi Nayak, along with a large number of common dignitaries and office bearers of various religious and social organisations were specially present.

Pawan Halwane will now show his magic with his hands instead of the bat, he topped the BCCI umpire exam

New Delhi, Pawan Halwane, son of a farmer from Akola district of Maharashtra, has brought laurels to his village and district by securing first position in the Level 2 umpiring exam in cricket. This exam was conducted in June at the Narendra Modi Stadium in Ahmedabad under the Board of Control for Cricket in India (BCCI). Pawan scored the highest 147.5 marks out of 150 in this exam. Pawan also plays cricket for Akola Cricket Club. He comes from Sangvi Khurd, a small village in Akola. The district is known for frequent suicides of farmers, and due to natural calamities farmers often have to face difficult situations. From there, a player from Akola has given his family a chance to be happy by topping the umpire exam in extremely difficult circumstances.

Pawan Halwane | Vikrant Deshpande | Soniya Rojoriya | Nama Khobragade

Pawan Halwane of Vidarbha Cricket Association topped the list of 26 candidates. A BCCI release said that all those who clear the exam will be included in the BCCI umpire panel. This is the second time that someone from Vidarbha has topped the umpire exam. Earlier, Nitin Pandit became the first person to do so in the 2008 exam. Pawan's success is being praised everywhere. This is a matter of great pride for Akola district. He worked hard for twenty years and has now reached the pinnacle of success. This is a big deal for Akola district of Vidarbha. After this, Pawan will qualify for umpiring in domestic cricket, which will make him a financial support for his family. Let us tell you that there is no fixed salary for umpires in BCCI. However, BCCI divides umpires into different categories based on age, certification and experience etc. According to the report, category A+ and A umpires are paid Rs 40,000 per day and category B and C umpires are paid Rs 30,000 per day for domestic matches.

If you have a good track record as an umpire, then you can also join the panel of ICC umpires on the recommendation of BCCI. Whose fee per match is in lakhs. It is not necessary that you play cricket to become an umpire. But it is important that you have a complete understanding of cricket and its rules. Apart from this, it is important for a person to have the ability to take spontaneous decisions, excellent communication skills and to be physically fit, because the umpire has to stand during the entire match.

UIDAI has released a new document list, now your Aadhaar card will be made and updated with these documents

New Delhi, The Unique Identification Authority of India has made an important update in the rules related to Aadhaar card. The authority has released a new list of documents required for the year 2025-26. This list will be applicable to both the processes of making a new Aadhaar card and updating any kind of information in the old card. If you are going to get a new Aadhaar card or want to change any information like name, address or date of birth in your existing Aadhaar, then you will have to submit the documents prescribed under these new rules. To whom will the new rules apply? This updated document list issued by IAS will be mandatory for the following people: ? Indian citizen ? Indian citizens living abroad (HRC card holders) ? Children above 5 years of age ? People living in India on long term visas (R&D) These four proofs will be required to get Aadhaar made or updated The RBI has made four major proofs the basis for any Aadhaar-related work, for which different documents will be valid: 1. Proof of Identity (Proof of Identity - 4th Pass): To authenticate your identity and photo. 2. Proof of Address : To confirm your place of residence. 3. Proof of Date of Birth (Date of Birth Certificate - CrPC): For registering or correcting the date of birth. 4. Proof of Relationship To establish relationship with the head of the family. List of key documents? For Identity Proof (Identity Proof): Passport, PAN Card (e-PAN also valid), Voter ID card (VIP), Driving License, Photo ID issued by Government or PSU, NREGA Job Card, Pensioner ID card, NEET/RSS card, or Transgender ID card. ? For Address Proof (Proof of Address): Electricity/Water/Gas/Landline bill (not older than 3 months), Bank Passbook or Statement, Ration Card, Passport, Driving License, Registered Rent Agreement, and Residence Certificate issued by State/Central Government. For changing the Date of Birth (Date of Birth): School mark sheet, passport, pension document containing date of birth, or date of birth certificate issued by the State/Central Government. Free online Aadhaar update till 14 June 2026 Giving relief to the citizens, the Aadhar Card has extended the facility of free online Aadhaar update till 14 June 2026. You can upload your identity (ID) and address (AD) related documents online without any charge by visiting the www.adhar.gov.in portal. After the process is completed, you can download your updated e-Aadhaar.

5 tourists trapped due to rising water level in Devpahari waterfall, rescue team rescued everyone safely

Korba, Due to continuous heavy rains in the state, the water level of rivers and waterfalls is rising rapidly. Meanwhile, five tourists who had gone to visit the famous tourist place Devpahari in Korba district got stuck due to the sudden rise in water level. Everyone was evacuated safely due to the timely arrival of the rescue team. According to the information, two youths and three girls from Korba had come to visit Devphari. Suddenly the flow of water increased and all got stuck at one place. Seeing the seriousness of the situation, the administration and police were informed, after which a joint rescue operation was carried out. Relief work was challenging amid the strong flow, but the rescue team promptly and sensibly took out all the youths safely. A video of the incident has also surfaced in which all the tourists are seen trapped amid the strong flow of water. The administration has started investigating the matter and has appealed to the tourists to take extra caution at such places during the rainy season. It is fortunate that action was taken on time, otherwise a major accident could have happened.

Home cooked veg and non veg thali became cheaper in June, effect of reduction in vegetable prices was seen

New Delhi, (IANS) The price of home-cooked vegetarian and non-vegetarian thali declined by 8 per cent and 6 per cent respectively on an annual basis in June, according to a report released on Tuesday. According to Crisil Intelligence report, this decline in the price of vegetarian thali was recorded due to the rapid decrease in prices of vegetables. Pushan Sharma, director, Crisil Intelligence, said, "The price of both vegetarian and non-vegetarian thali declined year-on-year in June due to softening of vegetable prices. Tomato prices in particular saw a sharp decline year-on-year." He further added that, however, the cost of thali is likely to increase sequentially in the coming months as vegetable prices are likely to rise due to seasonal changes. Onion prices are also likely to increase marginally as there are no fresh arrivals and stored Rabi stocks are being released in a controlled manner. For tomatoes, there could be a gradual increase in prices due to lower sowing in summer, which will put pressure on plate costs. Tomato prices fell 24 per cent year-on-year to Rs 32 per kg in June 2025 from Rs 42 per kg in June 2024 Potato and onion prices declined by 20 per cent and 27 per cent, respectively, on a high base. mAlong with lower vegetable prices, an estimated 3 per cent annual decline in broiler prices, which accounts for nearly 50 per cent of the cost of a non-vegetarian thali, has reduced the cost of the non-vegetarian thali, the report said. In June 2025, the price of both vegetarian and non-vegetarian thali increased by 3 percent and 4 percent respectively on a monthly basis. The average cost of preparing a thali at home is calculated based on the input prices prevailing in North, South, East and West India. The monthly changes reflect the impact on the common an's spending.

Alexa accused of 'spying', Amazon will be sued, the matter is of listening to private conversations of crores of users

New Delhi, After Google and Facebook, now the giant e-commerce company Amazon has also got into legal troubles in the matter of tampering with the privacy of users. The company's popular voice assistant 'Alexa' has been accused of recording the private conversations of millions of users. In this case, a US federal judge has given the green signal to a class-action lawsuit against Amazon. This decision was given by US District Judge Robert Lasnik on Monday, July 7. He said that there are sufficient legal grounds to file a nationwide lawsuit against Amazon to compensate the users for the financial losses they have suffered and to stop the alleged violation of privacy. This lawsuit represents the interests of millions of users who use one or more Alexa devices. The lawsuit, filed in 2021, alleges that Amazon intentionally designed Alexa to intercept billions of private conversations and use these voice recordings for its commercial benefit. The petitioners claim that this is a direct violation of Washington's consumer protection rules. Amazon launched its voice assistant Alexa in 2014, which works on commands like 'll. However, the court found that it can listen to private conversations even without any command. Amazon has not yet commented on this matter. However, the company has denied these allegations several times before. Amazon has claimed that Alexa has been designed to respect the privacy of users and there are security measures to avoid it being activated accidentally. But after this new order of the court, the company will now have to face these allegations in the form of a lawsuit.